RNI No. 58061/93 • वर्ष - 21 • अंक - 330 • पृष्ठ - 8 • रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 30-06-2026 • www.dakshinbharat.com • Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

2 सरकारी सेवाओं को अधिक सुलभ और जनहितैषी बनाएं अधिकारी : चंद्रबाबू नायडू
6 कई अनसुलझे सवाल छोड़ जाएगा ईरान युद्ध
7 इंडस्ट्री के असली माचो मैन हैं संजय दा : उर्मिला मातोंडकर

फर्स्ट टेक

सुरक्षा चिंताओं के कारण श्रीखंड, किन्नौर कैलाश यात्रा स्थगित

शिमला/भाषा। भूस्खलन, अचानक बाढ़ और अस्थिर हिमनदों (ग्लेशियरों) के खतरे के कारण मार्गों के असुरक्षित होने पर हिमाचल प्रदेश के कुल्लू और किन्नौर जिला प्रशासन ने अगले आदेश तक श्रीखंड महादेव यात्रा और किन्नौर कैलाश यात्रा पर रोक लगा दी है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। कुल्लू जिले में 16,900 फुट की ऊंचाई पर स्थित श्रीखंड महादेव भारत की सबसे कठिन धार्मिक यात्राओं में से एक मानी जाती है। इस यात्रा में श्रद्धालुओं को एक तरफ की 35 किलोमीटर की पैदल यात्रा करनी पड़ती है, जो घास के मैदानों से होकर 72 फुट ऊंचे शिवलिंग तक पहुंचती है। वहीं किन्नौर जिले में 19,850 फुट की ऊंचाई पर स्थित किन्नौर कैलाश को भगवान शिव का शीतकालीन निवास माना जाता है। दोनों यात्राएं सामान्यतः जुलाई महीने में शुरू होती हैं।

वेनेजुएला में भूकंप के बाद के झटके महसूस किये गये

ला ग्वायरा (वेनेजुएला)/एपी। वेनेजुएला में पिछले हफ़्ते विध्वंसकारी भूकंप आने के बाद आम लोगों एवं बचावकर्मियों के बचाव एवं राहत कार्य में जुटे रहने के बीच सोमवार तड़के एक और तेज झटका महसूस किया गया। अमेरिकी भूगर्भविज्ञान सर्वेक्षण के अनुसार स्थानीय समयानुसार सुबह सात बजकर एक मिनट पर भूकंप के बाद का झटका महसूस किया गया जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.6 थी। उसने कहा कि वेनेजुएला के कैरिबियन तट पर काराबालेडा के उत्तर में लगभग 27 किलोमीटर की दूरी पर इसका केंद्र था। हालांकि कोलंबिया के भूगर्भ विज्ञान सर्वे ने इसकी तीव्रता 5.1 बताई।

चीन ने जापान की 40 इकाइयों पर लगाया निर्यात नियंत्रण

ताइपे/एपी। चीन ने जापान की 40 इकाइयों पर निर्यात नियंत्रण लगाने की सोमवार को घोषणा की। चीन का कहना है कि ये इकाइयां जापान की सैन्य ताकत को बढ़ाने में योगदान दे रही हैं। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब जापान के साथ उसका तनाव लगातार बढ़ रहा है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने बयान में कहा कि मित्सुबिशी कॉरपोरेशन की कई इकाइयों सहित 20 जापानी इकाइयों को नियंत्रण सूची में शामिल किया गया है। इसके तहत चीनी और विदेशी निर्यातकों को चीन में निर्मित दोहरे उपयोग (डुअल-यूज) वाले सामान इन संस्थाओं को बेचने की अनुमति नहीं होगी।

30-06-2026	01-07-2026
सूर्यास्त 6:49 बजे	सूर्योदय 5:57 बजे

BSE	NSE
76,728.37	23,946.25
(-372.10)	(-109.75)

सोना	चांदी
14,698 रु.	229,146 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

शपथ

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत आठ नवनिर्वाचित सदस्यों ने सोमवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। इसी के साथ, खरगे को फिर से नेता प्रतिपक्ष के रूप में मान्यता दी गई। राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने नए सदस्यों को शपथ दिलाई। खरगे ने राधाकृष्णन के कक्ष में अलग से शपथ ली, जबकि अन्य सात सदस्यों ने राज्यसभा कक्ष में शपथ ग्रहण की। खरगे और भाजपा नेता तरुण चुघ के अलावा शपथ लेने वाले नए सदस्यों में गुजरात से जितेंद्र मेघजीभाई कंजारिया और मानसिंह मेरामन परमार, कर्नाटक से एम. नागराजा, महाराष्ट्र से राजेंद्र हीरालाल जैन, मणिपुर से अधिकारीमयुम शारदा देवी तथा राजस्थान से अलका सिंह शामिल हैं। शपथ ग्रहण के दौरान राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, सदन के नेता जेपी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू और विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल मौजूद थे। वे सभापति के कक्ष और सदन, दोनों स्थानों पर मौजूद रहे। खरगे ने हाथ में संविधान की प्रति लेकर हिंदी में शपथ ली। उनके शपथ लेने के दौरान कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा भी मौजूद थीं।

राम मंदिर दान मामला:

सभी आठ आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित राम मंदिर में दान के कथित गबन मामले में गिरफ्तार सभी आठ आरोपियों को सोमवार को स्थानीय अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। विशेष अभियोजन अधिकारी उमेश दुबे ने बताया कि पिछली न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भ्रष्टाचार रोधी अदालत के विशेष न्यायाधीश रजत वर्मा के समक्ष पेश किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपियों की हिरासत के लिए कोई आवेदन नहीं दिया। इससे पहले, एक विशेष अदालत ने उन्हें सोमवार तक तीन दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा था।

कांग्रेस की गलतियों के कारण देश का विभाजन हुआ : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला करते हुए सोमवार को कहा कि देश का विभाजन कांग्रेस की गलतियों का परिणाम था और यदि उस समय नेतृत्व दृढ़ रहता तो विभाजन टाला जा सकता था।

पीलीभीत में 569 करोड़ रुपए की लागत वाली 63 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास तथा नागरिकता प्रमाणपत्र वितरण समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से 56 वर्ष पहले बांग्लादेश से निकाले गए प्रताड़ित हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख समुदाय के लोगों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप नागरिकता और पुनर्वास की सुविधा मिल रही है, जिसके लिए सभी को बधाई। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए पुनर्जीवन जैसा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''कांग्रेस के पाप के कारण बांग्लादेश बना। बांग्लादेश और पाकिस्तान का बनना आवश्यक नहीं था। उन्होंने आरोप लगाया, ''पाकिस्तान का निर्माण सत्तालोलुपता का परिणाम था और यदि उस समय कांग्रेस का नेतृत्व अडिग रहता तो मोहम्मद अली जिन्ना सफल नहीं हो पाते और भारत का विभाजन नहीं होता।''

योगी ने कहा कि यदि विभाजन नहीं हुआ होता तो इन गरीबों, बंगाली परिवारों को विस्थापित नहीं होना पड़ता। उन्होंने कहा कि भविष्य में किसी हिंदू को विस्थापित न होना पड़े, इसके लिए उत्तर प्रदेश रक्षा विनिर्माण गलियारे (डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर) में ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण भी किया जा रहा है।

समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया, ''उसके शासनकाल में अपराध और अराजकता को बढ़ावा मिला, जबकि वर्तमान सरकार रक्षा उत्पादन और विकास को आगे बढ़ा रही है।''

प्रधानमंत्री मोदी की सेशेल्स यात्रा संपन्न, हिंद महासागर क्षेत्र को सुरक्षित बनाने पर हुई चर्चा

अगले 50 साल नवाचार, सतत विकास और साझा समृद्धि से तय होंगे : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विक्टोरिया (सेशेल्स)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को सेशेल्स की अपनी तीन दिवसीय यात्रा संपन्न की। इस दौरान उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ करने और हिंद महासागर क्षेत्र को सुरक्षित व समृद्ध बनाने की साझा दृष्टि को आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ व्यापक वार्ता की।

हवाई अड्डे पर सेशेल्स के उपराष्ट्रपति सेबेस्टियन पिल्लै और भारतीय समुदाय के लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी को विदा किया।

रवाना होने के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में मोदी ने कहा, ''सेशेल्स की मेरी यात्रा बहुत सार्थक रही और इससे भारत-सेशेल्स की दोस्ती और मजबूत होगी।''

मोदी ने कहा कि भारत और सेशेल्स के बीच पिछले 50 वर्षों के रिश्ते गहरे भरोसे और मिलकर की गई तरक्की पर आधारित रहे हैं। उन्होंने कहा, ''अगले 50 साल नवाचार, सतत विकास और साझा समृद्धि से तय होंगे।''

शनिवार को शुरू हुई इस यात्रा के दौरान, मोदी ने सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस के स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर हिस्सा लिया।

रवाना होने के बाद, उन्होंने पोस्ट किया, ''मुझे खुशी है कि मैं राष्ट्रीय दिवस के जश्न में शामिल हुआ, और वह भी ऐसे समय में जब सेशेल्स अपनी आजादी के 50 साल पूरे कर रहा है।''

इस यात्रा के दौरान दोनों देशों ने रक्षा, समुद्री सुरक्षा, डिजिटल भुगतान, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य सेवा, कृषि और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में 19 समझौतों और पहल की घोषणा की।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोमवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री की राजकीय यात्रा भारत-सेशेल्स संबंधों में एक अहम मुकाम है। इससे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने और सुरक्षित व समृद्ध हिंद महासागर क्षेत्र के लिए साझा दृष्टि को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता और मजबूत हुई है।'' मोदी ने द्वीपीय देश की संसद को भी संबोधित किया, जहां उन्होंने निष्पक्षता, जिम्मेदारी और समानता के आधार पर जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वैश्विक कार्रवाई का आह्वान किया। एक विशेष समारोह में राष्ट्रपति हर्मिनी ने प्रधानमंत्री मोदी को 'गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन' सम्मान से भी नवाजा। यह सम्मान उन्हें पर्यावरण संरक्षण में नेतृत्व, विकासशील देशों के हितों को आगे बढ़ाने के प्रयासों तथा समुद्री अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के प्रति उनकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के लिए प्रदान किया गया।

असली 'जेन-जी' युवा राष्ट्र का निर्माण करते हैं, संविधान पर सवाल नहीं उठाते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को कहा कि 'जेन जेड' युवा वे हैं जो रचनात्मक रूप से अपना करियर बनाते हैं और राष्ट्रीय विकास में योगदान देते हैं, न कि वे जो देश के संविधान और संस्कृति पर सवाल उठाते हैं।

तेलंगाना के तीन दिवसीय दौरे के दौरान हैदराबाद में एक इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम के दौरान नवीन ने कहा कि देश के युवा सत्ता-विरोधी नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'जेन जेड' को लेकर काफी बहस चल रही है। लोगों ने मुझे बताया कि कुछ देशों में युवाओं ने आंदोलन किए। इन आंदोलनों को 'जेन जेड' के आंदोलन के रूप में वर्णित किया जाता है। भारत के युवा सत्ता-विरोधी नहीं हैं। भारत के युवा देश के निर्माण के लिए काम करते हैं।

नवीन ने दर्शक दीर्घा में मौजूद कुछ खिलाड़ियों और स्टार्टअप संस्थापकों की ओर इशारा करते हुए कहा कि (स्टार्टअप और अन्य माध्यमों से) देश के आर्थिक विकास की नींद रखने के साथ-साथ अपना भविष्य गढ़ने वाले युवा ही असली 'जेन जेड' हैं। उन्होंने कहा कि 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' जैसी मानसिकता वाले लोग, जो विभाजनकारी नारे लगाते हैं और देश के संविधान, संस्कृति एवं आत्मा को चुनौती देते हैं, वे भारत की 'जेन जेड' नहीं हो सकते।

कक्षा 10वीं के मौजूदा बैच के विद्यार्थियों को तीन भाषाएं पढ़ने से छूट : सीबीएसई

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने सोमवार को अपनी त्रि-भाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए, जिसमें कक्षा 10वीं के मौजूदा बैच के विद्यार्थियों को तीन भाषाएं पढ़ने से छूट दी गई है।

कक्षा नौवीं के विद्यार्थियों को एक बार की राहत देते हुए, सीबीएसई ने स्पष्ट किया कि मौजूदा बैच को तीन भाषाएं पढ़नी होंगी, लेकिन वे दो विदेशी भाषाएं और एक भारतीय भाषा पढ़ सकते हैं।

ये घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब एक महीने से अधिक पहले सीबीएसई ने घोषणा की थी कि एक जुलाई से 9वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए कम से कम दो भारतीय भाषाओं सहित तीन भाषाओं का अध्ययन अनिवार्य होगा।

सीबीएसई के इस आदेश के खिलाफ कई विद्यार्थियों और अभिभावकों ने अदालत का रुख किया था।

सीबीएसई की अकादमिक निदेशक प्रज्ञा एम सिंह ने कहा, ''कक्षा 10वीं के मौजूदा बैच को त्रि-भाषा नीति का पालन नहीं करना होगा। कक्षा सातवीं से नौवीं के मौजूदा बैच को कक्षा 10 में जाने पर तीसरी भाषा में बोर्ड परीक्षा देने की आवश्यकता नहीं होगी।'' उन्होंने कहा, ''एक बार की राहत के रूप में वर्ष 2026-27 में पहले से 9वीं कक्षा में पढ़ रहे विद्यार्थी दो गैर-भारतीय (विदेशी) भाषाओं का अध्ययन जारी रख सकेंगे और उन्हें तीसरी भाषा के रूप में एक भारतीय भाषा अनिवार्य रूप से जोड़नी होगी।''

पाकिस्तान के हवाई हमलों में अफ़गानिस्तान में 36 नागरिक मारे गए, 160 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काबुल (अफगानिस्तान)/एपी। पाकिस्तानी सेना की ओर से रविवार रात किए गए हवाई हमलों में कम से कम 36 नागरिकों की मौत हो गई और 160 से अधिक लोग घायल हो गए। अफगानिस्तान के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्ला तरार ने कहा कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने रविवार देर रात अफगानिस्तान सीमा पर जमीनी कार्रवाई की और आतंकवादियों के ठिकानों पर हमले किए, जिनमें 29 आतंकवादी मारे गए।

पाकिस्तान का कहना है कि यह कार्रवाई देश में हाल में हुए आतंकी हमलों के जवाब में की गई।

वहीं अफगानिस्तान ने इन हमलों की कड़ी निंदा की और इन्हें कायरतापूर्ण आक्रामकता और बर्बरता का कृत्य बताया।

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के उप-प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने पक्तिया प्रांत के चमकनी जिले में एक घर को निशाना बनाया, जिसमें एक बुजुर्ग और एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि परिवार के अन्य सदस्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि जब ग्रामीण घायलों को बचाने के लिए वहां पहुंचे तो उसी क्षेत्र पर दोबारा हमला किया गया, जिसमें 28 ग्रामीणों की मौत हो गई और 158 लोग घायल हो गए।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अजब तमाशा

है कौन यहां सचमुच शोषित,
यह बहुत कठिन परिभाषा है।
किसको मिलना है आरक्षण,
किसकी कितनी प्रत्याशा है।
अब कौन दलित है लोकतंत्र में,
किसको किससे आशा है।
वंचित को न्याय मिलेगा कब,
शोषण का अजब तमाशा है।।

पृथ्वी के शुरुआती इतिहास का नया रहस्य, क्षुद्रग्रहों की टक्करों ने ही गढ़ी महाद्वीपों की नींव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पर्थ/द कन्वरसेशन। जब भी किसी विशाल क्षुद्रग्रह के पृथ्वी से टकराने की कल्पना की जाती है, तो सबसे पहले विनाश का दृश्य सामने आता है-भीषण टक्कर, आग का विशाल गोला, धूल और मलबे का गुबार तथा उसके बाद वर्षों तक वातावरण में फैला असंतुलन।

लेकिन पृथ्वी के आरंभिक इतिहास में इन टक्करों का सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव शायद सतह पर बने गड्ढे या तत्काल हुए विनाश से कहीं अधिक गहरा था। संभव है कि इन टक्करों से उत्पन्न अत्यधिक ऊष्मा पृथ्वी के भीतर गहराई तक पहुंची और उसी ने ग्रह के विकास की दिशा तय की।

हमारे नए अध्ययन में यह तर्क दिया गया है कि पृथ्वी के इतिहास के शुरुआती 50 करोड़ वर्षों- जिसे 'हेडियन ईऑन' कहा जाता है, उसके वैज्ञानिक मॉडलों में टक्कर से पैदा हुई इस दीर्घकालिक ऊष्मा के प्रभाव को बहुत कम करके आंका गया है।

शोध के अनुसार, बार-बार होने वाली विशाल टक्करों ने केवल पृथ्वी की सतह को क्षणिक रूप से प्रभावित नहीं किया, बल्कि उसकी प्रारंभिक सतह (प्रोटोक्रस्ट) को लंबे समय तक अत्यधिक गर्म, कमजोर और भूगर्भीय दृष्टि से अस्थिर बनाए रखा।

पृथ्वी के शुरुआती इतिहास की सबसे बड़ी पहेली

'हेडियन ईऑन' काल आज भी भू-विज्ञान की सबसे बड़ी पहेलियों में से एक है। सूक्ष्म जिरकॉन क्रिस्टलों से पता चलता है कि पृथ्वी की सतह के कुछ हिस्से 4.3 अरब वर्ष से भी अधिक पुराने हैं और उस समय पृथ्वी पर पानी भी मौजूद था।

इसके बावजूद उस काल की लगभग कोई भी चट्टान आज सुरक्षित नहीं बची है। अब तक मिली सबसे पुरानी महाद्वीपीय चट्टानों की आयु लगभग 4.03 अरब वर्ष मानी जाती है।

ऐसे में सवाल उठता है कि इन दोनों अवधियों के बीच के लगभग 27 करोड़ वर्षों में आखिर पृथ्वी पर क्या हुआ?

केवल सतही नहीं थीं ये टक्करें

आमतौर पर विशाल क्षुद्रग्रहों की टक्करों को केवल सतही घटनाएं माना जाता है, लेकिन चंद्रमा की सतह आज भी इस बात का प्रमाण है कि सौरमंडल के शुरुआती दौर में ऐसी टक्करें कितनी सामान्य थीं। वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी पर इन टक्करों की तीव्रता चंद्रमा की तुलना में कहीं अधिक रही होगी। इन टक्करों से उत्पन्न अपार ऊर्जा केवल सतह तक सीमित नहीं रही, बल्कि पृथ्वी के भीतर तक पहुंच गई।

सदानंद गौड़ा ने कर्नाटक भाजपा प्रमुख को हटाने की चर्चा वाले ऑडियो पर टिप्पणी से इनकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री डी वी सदानंद गौड़ा ने सोमवार को उस कथित ऑडियो पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, जिसमें वह बी वाई विजयेंद्र को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने को लेकर चर्चा कर रहे हैं।।

गौड़ा ने पत्रकारों से कहा, ''इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। जो ऑडियो और वीडियो मेरे नहीं हैं, उन पर मैं कोई जवाब नहीं दूंगा।'' गौड़ा ने कहा कि मीडिया को सच्चाई का पता लगाना चाहिए कि क्या यह संबंधित सामग्री कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से बनाई हुई है या कुछ और है।

उन्होंने कहा, ''चूंकि मुझे नहीं पता कि ऑडियो किस बारे में है, इसलिए मैं कोई टिप्पणी नहीं करूंगा।'' उनके अनुसार, इसके पीछे कुछ पेमेंट टीवी चैनल हो सकते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एक बड़ा मुद्दा है। इस अभियान से आहत होने की बात कहते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि इस ऑडियो के पीछे आखिर कौन है। कथित ऑडियो में पूर्व मुख्यमंत्री को यह कहते हुए सुना जा सकता है, ''वह (विजयेंद्र) नवंबर तक अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा कर लेंगे। सर, अब तो सिर्फ दो महीने ही बचे हैं। हमें फिर एक और भ्रम की स्थिति क्यों पैदा करनी चाहिए?

यदि आप दोबारा भ्रम पैदा करेंगे, तो विजयेंद्र की टीम धीरे-धीरे और सहज तरीके से...।'' गौड़ा ने कथित तौर पर कहा, ''दो महीने में हमें इस पर ज़ोर देना चाहिए और उन्हें बाहर का रास्ता दिखा देना चाहिए।''

बेंगलूरु में 1,000 करोड़ रु. की आवासीय परियोजना विकसित करेगी पूर्वांकरा

बेंगलूरु/नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी पूर्वांकरा ने बेंगलूरु में 6.4 एकड़ भूमि पर आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए एक भू-स्वामी के साथ साझेदारी की है। इस परियोजना से लगभग 1,000 करोड़ रुपये के राजस्व की संभावना है।

कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने बेंगलूरु के सरजापुर स्थित 6.4 एकड़ भूमि के लिए संयुक्त विकास समझौता (जेडीए) किया है। कंपनी इस भूमि पर आठ लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र वाली आवासीय परियोजना विकसित करेगी, जिससे लगभग 1,000 करोड़ रुपये का राजस्व मिलने का अनुमान है।

बेंगलूरु स्थित पूर्वांकरा लिमिटेड ने भू-स्वामी का नाम और जेडीए की शर्तों का खुलासा नहीं किया है।

संयुक्त विकास समझौता के तहत रियल एस्टेट डेवलपर भूमि मालिक के साथ राजस्व या मुनाफा साझा करते हैं। कई मामलों में डेवलपर भूमि मालिक को तैयार आवासीय इकाइयां भी देते हैं।

मप्र: सिंधिया ने गुना में 350 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुना/भाषा। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मध्यप्रदेश के गुना में करीब 350 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि सिंधिया ने अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, सिंचाई, रेलवे, सड़क, ऊर्जा, कौशल विकास, कृषि बुनियादी ढांचे, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और जनकल्याण से जुड़े कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उन्होंने विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की।

अधिकारी के अनुसार, दौरे की शुरुआत कंजा गांव में कूनो नदी के उद्गम स्थल से हुई, जहां केंद्रीय मंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत 700 पौधे लगाए। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत भी की और चिनेरा गांव में 17.98 लाख रुपए की लागत से निर्मित 'चेक डैम' (छोटा बांध) का उद्घाटन किया। सिंधिया ने कहा, ''जल, जंगल और जमीन का संरक्षण केवल जनभागीदारी से ही संभव है और पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।''

उन्होंने दौरे के अंतिम दिन मुद्रा हनुमान क्षेत्र में 278 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से बनने वाले पावर सबस्टेशन की आधारशिला रखी। इस परियोजना से लगभग 225 गांवों के 2.25 लाख से अधिक लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है। इसके लिए करीब 100 किलोमीटर लंबी विद्युत लाइनें बिछाई जा रही हैं। सिंधिया ने कहा कि यह बिजली अवसंरचना क्षेत्र के लाखों लोगों के जीवन में नई रोशनी लाएगी और बिजली आपूर्ति को अधिक विश्वसनीय बनाएगी।

राजनाथ ने शोध एवं विकास परियोजना में जवाबदेही, समयबद्धता के लिए डीएफपी-2026 पेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को 'डीआरडीओ को वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन' (डीएफपी-2026) नाम से एक संशोधित रूपरेखा जारी की। इसका मकसद अनुसंधान एवं विकास तंत्र से निकलने वाली रक्षा प्रणालियों, प्लेटफॉर्म और प्रौद्योगिकियों के तेजी से उत्पादन और उन्हें सेना में शामिल करने की प्रक्रिया को आसान बनाना है।

अधिकारियों ने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यहां डीएफपी-2026 जारी किया जिसका उद्देश्य रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के भीतर विभिन्न स्तरों पर कार्यात्मक सशक्तीकरण को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाना है।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह रणनीतिक अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की कार्यक्षमता, जवाबदेही और समय पर क्रियान्वयन को बेहतर बनाने के लिए एक बड़ा सुधार है।

बयान में रक्षा मंत्री को उद्धृत करते हुए कहा गया कि यह अनुसंधान और विकास इकोसिस्टम से विकसित होने वाली प्रणालियों, प्लेटफार्म और प्रौद्योगिकियों के शीघ्र उत्पादन तथा उन्हें सशस्त्र बलों में तेजी से शामिल किया जाने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि यह नया ढांचा उद्योग और शिक्षा जगत के साथ अधिक सशक्त सहयोग को बढ़ावा देगा, जिससे 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को मजबूती मिलेगी।

सिंह ने कहा कि संशोधित ढांचा रक्षा तकनीकों में आत्मनिर्भरता बढ़ाने और देश की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने में योगदान देगा।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) रक्षा मंत्रालय के रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग (डीडी आर एंड डी) के तहत काम करता है।

संशोधित ढांचा कई महत्वपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करता है, जिनमें परीक्षण अभियानों, परीक्षणों और मूल्यांकन गतिविधियों के लिए समर्पित वित्तीय प्रावधान, परियोजना-पूर्व अनुसंधान एवं विकास पहल को मंजूरी देने का अधिकार शामिल है।

ठुकराए प्रेमी की बढ़ती सनक व शक के कारण कार में बम धमाका, विस्फोटक के स्रोत की हो रही जांच

तुमकुरु। पुलिस उस सनसनीखेज मामले की जांच कर रही है, जिसमें एक व्यक्ति ने एक महिला का अपहरण किया और फिर टैक्सी के अंदर खुद के किए बम धमाके में मारा गया। जांच में पता चला है कि आरोपी को शक था कि महिला का किसी दूसरे व्यक्ति के साथ संबंध है, जिसके बाद वह उसे लेकर बहुत ज्यादा अधिकार जताने लगा था और सनकी हो गया था। इस बीच, जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि घटना में इस्तेमाल किया गया देसी बम नागेंद्र गौडा को कैसे मिला। जांच के मुताबिक, नागेंद्र गौड़ा और महिला राम्या के बीच छह साल से रिश्ता था। पुलिस ने बताया कि नागेंद्र को राम्या पर शक होने के बाद उनके रिश्ते में खटास आने लगी, खासकर तब जब वह बेंगलूरु चली गई। उसे शक था कि राम्या का किसी और पुरुष के साथ संबंध है, जिसकी वजह से दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते थे। जांचकर्ताओं ने बताया कि नागेंद्र अक्सर राम्या से मिलने जाता था और अपने शक को लेकर उससे सवाल-जवाब करता था।

बेंगलूरु में 25.23 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त

तीन विदेशी सहित 17 आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु के अलग-अलग हिस्सों से करीब 25.23 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त किये गये हैं। इस सिलसिले में तीन विदेशियों समेत 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित मादक पदार्थों की बिक्री गुप्त सूचना के आधार पर अलग-अलग तारीखों पर सुब्रमण्यनगर, मडीवाला, राजाजीनगर, व्हाइटफील्ड, तिलकनगर, यशवंतपुर और इंदिरा नगर थानाक्षेत्रों में छापेमारी की कार्रवाई की गई। पुलिस ने सिगरेट और अन्य 'तंबाकू उत्पाद अधिनियम' का उल्लंघन करते हुए अलग-अलग ब्रांड के तंबाकू उत्पादों का अवैध निर्माण करने को लेकर मामले दर्ज किए। उसने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में तीन विदेशी नागरिक, अन्य राज्यों के आठ लोग और छह स्थानीय निवासी हैं। पुलिस के बयान के मुताबिक, पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने विदेशों, दूसरे राज्यों और कर्नाटक में मौजूद अज्ञात आपूर्तिकर्ताओं से कम कीमत पर प्रतिबंधित मादक पदार्थ खरीदा और मुनाफा कमाने के लिए उसे ऊंचे दाम पर कॉलेज के विद्यार्थियों समेत आम लोगों को बेचा। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम का उल्लंघन करके तंबाकू उत्पाद उत्पादित करने की बात भी स्वीकार की। पुलिस के अनुसार आरोपियों से जब्त समान में 10.306 किलोग्राम एमडीएमए, 127.302 किलोग्राम गांजा, 3.314 किलोग्राम हाइड्रो गांजा, 300 ई-सिगरेट, 90 हुक्का फ्लेवर पैक, 30 हुक्का पॉट, हुक्का स्टैंड और बाउल, विदेशी सिगरेट के पैक, सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम का उल्लंघन करके बनाए गए कई तरह के तंबाकू उत्पाद, सात मोबाइल फ़ोन, एक कार और छह दो-पहिया वाहन शामिल थे। पुलिस ने बताया कि ज़ब्त संपत्ति की कीमत 12.85 करोड़ रुपये थी।

नीमच की 'वैनिला सोलर' परियोजना की दर संभवत: दुनिया में सबसे कम : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नीमच/भाषा। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने सोमवार को मध्यप्रदेश में कुल 950 मेगावाट क्षमता वाली दो सौर ऊर्जा परियोजनाओं का उद्घाटन किया और कहा कि इनमें शामिल नीमच सोलर पार्क में 2.14 रुपए प्रति यूनिट का शुल्क संभवत: दुनिया में 'वैनिला सोलर' परियोजना की सबसे कम दर है।

ऊर्जा क्षेत्र में 'वैनिला सोलर' शब्द का इस्तेमाल आमतौर पर ऐसी सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए किया जाता है जिनमें केवल सौर पैनल के जरिये बिजली उत्पादन किया जाता है और बैटरी भंडारण जैसी अतिरिक्त सुविधाएं शामिल नहीं होतीं। जोशी ने एक समारोह में जिन नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं का उद्घाटन किया, उनमें नीमच का 500 मेगावाट क्षमता का सौर पार्क और शाजापुर का 450 मेगावाट क्षमता का सौर पार्क शामिल हैं। इस मौके पर राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि कुल 2,500 एकड़ पर निर्मित तीन इकाइयों वाले नीमच सोलर पार्क में उत्पादित बिजली की दर 2.14 रुपए, 2.149 रुपए और 2.15 रुपए प्रति यूनिट है। जोशी ने उद्घाटन समारोह में कहा, ''नीमच सोलर पार्क में बड़ा गजब का काम हुआ है। जहां तक मुझे जानकारी है, 2.14 रुपए प्रति यूनिट सारे देश में नहीं, बल्कि सारी दुनिया में वैनिला सोलर परियोजना से बनने वाली बिजली की शायद सबसे कम दर है।'' केंद्रीय मंत्री ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की और कहा कि मध्यप्रदेश 'हरित ऊर्जा का पावरहाउस' बन रहा है।

जोशी ने कहा कि प्रदेश की कुल 38 गीगावाट की स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता में से लगभग 12 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपेक्षा के अनुरूप राज्य की कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी कम से कम 50 प्रतिशत होनी चाहिए। जोशी ने कहा कि केंद्र सरकार के अध्ययन के अनुसार, प्रदेश में लगभग 55 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में राज्य में 3.7 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता स्थापित है और 1.3 गीगावाट क्षमता की परियोजनाओं पर काम जारी है। उन्होंने कहा,''अगर अगले दो वर्ष का लक्ष्य तय करके राज्य में पवन ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाकर कम से कम 10 गीगावाट तक पहुंचाया जाता है, तो बिजली की कीमत बहुत कम हो जाएगी। इससे राज्य के किसानों व उद्योगों को फायदा होगा और नये औद्योगिक निवेश की रफ्तार तेज होगी।''

अहमदाबाद में प्रतिद्वंद्वी गुटों में झड़प के सिलसिले में 10 गिरफ्तार

अहमदाबाद/भाषा। अहमदाबाद के दरियापुर इलाके में दो प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच पिछले सप्ताहांत हुई झड़प के सिलसिले में पुलिस ने 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

दरियापुर थाने के निरीक्षक जीवी गोहिल ने बताया कि यह घटना शनिवार रात दोनों गुटों के सदस्यों के बीच पहले हुई कहासुनी के परिणामस्वरूप घटी, जिसमें कम से कम तीन लोग घायल हो गए। गोहिल ने कहा, शनिवार रात दो गुटों के बीच हुई झड़प के सिलसिले में उनसे जुड़े 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस झड़प में तीन-चार लोग घायल हो गए थे। स्थिति अब नियंत्रण में है। उन्होंने बताया कि दोनों गुटों ने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। गोहिल के मुताबिक, दोनों पक्षों के लाठियों और तलवारों से लैस सदस्यों ने एक-दूसरे पर हमला किया और अपशब्द कहे। उन्होंने बताया कि 19 वर्षीय उसैद शेख की शिकायत के आधार पर पुलिस ने याह्या बुखारी, साहिल बुखारी, राशिद बुखारी और चार अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 118 (1) और 115 (2) के तहत प्राथमिकी दर्ज की, जो हथियार का इस्तेमाल करके स्वेच्छा से चोट पहुंचाने से संबंधित हैं।

गोहिल के अनुसार, दूसरी प्राथमिकी अब्दुल राशिद बुखारी की शिकायत पर उसैद शेख, नसरीन शेख और चार अन्य के खिलाफ बीएनएस की धारा 118(1), 115(2) और 352 के तहत दर्ज की गई।

कश्मीर में 'पोलियो-मुक्त पाकिस्तान' लिखा सरकारी पर्चा प्रसारित, अधिकारी से मांगा स्पष्टीकरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजौरी/जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर में 'पोलियो-मुक्त पाकिस्तान' लिखा सरकारी पर्चा बांटने के मामले में एक अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा गया है। अधिकारियों ने एक प्रखंड चिकित्सा अधिकारी से 'पोलियो-मुक्त पाकिस्तान' का नारा लिखे कथित तौर पर एक अनधिकृत और भ्रामक पर्चे के प्रसार के संबंध में तत्काल स्पष्टीकरण मांगा है। यह आदेश राजौरी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) द्वारा जारी किया गया था, जिसमें कांडी क्षेत्र के अधिकारी से एक दिन के भीतर तत्काल स्पष्टीकरण मांगा गया था।

एक आधिकारिक पत्र में सीएमओ ने कहा कि सोशल मीडिया और व्हाट्सएप समूहों पर 'इंटेंसिफाइड पल्स पोलियो इम्यूनाइजेशन (आईपीपीआई) प्रोग्राम, 2026' से संबंधित एक विज्ञापन प्रसारित किया गया था, जिससे यह आभास हुआ कि इसे कांडी प्रखंड के चिकित्साधिकारी के कार्यालय द्वारा आधिकारिक तौर पर जारी या समर्थित किया गया था।

दिल्ली सरकार ने ईवी नीति को मंजूरी दी, ई-वाहनों को सड़क कर, पंजीकरण शुल्क से छूट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) वाहन नीति को सोमवार को मंजूरी प्रदान कर दी जिसके तहत राष्ट्रीय राजधानी में 30 लाख रुपए कीमत तक की ई-गाड़ियों खरीदने पर न तो सड़क कर देना होगा और न ही पंजीकरण शुल्क लगेगा।

इस नीति का मकसद गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण को कम करना और दिल्ली में स्वच्छ परिवहन के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है। इलेक्ट्रिक वाहन नीति में प्रस्तावित है कि मार्च 2030 तक दिल्ली के स्कूल की 30 फीसदी बसें इलेक्ट्रिक होनी चाहिए। यह नीति शून्य-उत्सर्जन परिवहन के माध्यम से दिल्ली को प्रदूषण मुक्त राजधानी में बदलना चाहती है और 31 मार्च 2030 तक लागू रहेगी। चार्जिंग बुनियादी ढांचे का विस्तार करने के लिए शहर भर में लगभग 30,000 ईवी 'चार्जिंग पॉइंट' स्थापित किए जाएंगे। सरकार ने इस परिवर्तिन को आगे बढ़ाने के लिए अगले चार वर्षों में 7,000 करोड़ रुपए से अधिक की प्रतिबद्धता जताई है। हाइब्रिड' वाहनों के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं दिया जाएगा। नीति के तहत ईवी-संबंधित प्रोत्साहनों के लिए आवेदन करने के वास्ते एक समर्पित ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किया जाएगा। दिल्ली के पीएम 2.5 का सबसे बड़ा स्रोत गाड़ियों से होना वाला उत्सर्जन है। कुल पीएम 2.5 प्रदूषण में लगभग 50 प्रतिशत योगदान वाहनों से निकलने वाले धुएं और उनसे जुड़े उत्सर्जन का है।

शादी का प्रस्ताव ठुकराया तो प्रेमी ने ली महिला की जान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में शादी से इनकार करने पर 23 वर्षीय एक महिला की उसके प्रेमी ने कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतका की पहचान के. पी. अग्रहारा के भुवनेश्वरी नगर निवासी अंजलि के रूप में हुई है। पुलिस ने मामले में आरोपी राजीव को गिरफ्तार कर लिया है। वह पिछले चार साल से अंजलि को जानता था। पुलिस के अनुसार, दोनों सहकर्मी थे और एक-दूसरे के साथ रिश्ते में थे।

पुलिस के मुताबिक, यह घटना रविवार शाम महालक्ष्मी लेआउट के पाइपलाइन मार्ग पर हुई। पुलिस ने बताया कि राजीव ने कथित तौर पर अंजलि को फोन कर रात के खाने के लिए बुलाया था। मुलाकात के दौरान आरोपी ने फिर से शादी का प्रस्ताव रखा लेकिन अंजलि के इनकार करने पर दोनों के बीच बहस हो गई। पुलिस के अनुसार, इसके बाद राजीव ने कथित तौर पर चाकू से अंजलि के गले पर वार कर दिया। स्थानीय लोगों ने उसे पास के अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने प्रारंभिक जांच के हवाले से बताया कि अंजलि के परिवार को राजीव के साथ उसके संबंधों की जानकारी थी। परिवार ने राजीव के आपराधिक रिकॉर्ड और उसके खिलाफ कम से कम तीन मामले दर्ज होने के कारण इस विवाह का विरोध किया था।

हिस्ट्रीशीटर की दिन दहाड़े हत्या, सीसीटीवी में दिखी पुलिस

बेंगलूरु। बेंगलूरु के जेपी नगर में एक हिस्ट्रीशीटर की दिनदहाड़े हुई हत्या के दौरान घटनास्थल पर दो पुलिसकर्मियों के दिखने और बिना दखल दिए मौके से चले जाने का कथित सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद लोगों में काफी गुस्सा है। विभाग की ओर से अभी तक इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में पुरुष कॉन्स्टेबल और महिला कॉन्स्टेबल मोटरसाइकिल पर वर्दी पहने हुए जे.पी. नगर के जंक्शन की ओर जाते दिख रहे हैं, जहां हथियारबंद हमलावरों का ग्रुप राजू उर्फ हलमुर्का पर हमला किया जा रहा था। दोनों पुलिसकर्मी मोटरसाइकिल धीमी करते हैं और पीड़ित को बचाने की बिना कोई कोशिश किए चले जाते हैं। मामले पर वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से कहा गया कि पुलिसकर्मियों के व्यवहार की जांच की जा रही है और संभावित विभागीय कार्रवाई के लिए उनकी पहचान करने की कोशिशें जारी हैं।

बेंगलूरु में अपहरण करके एक करोड़ रुपये से अधिक की लूट के मामले में पांच लोग गिरफ्तार

बेंगलूरु। बेंगलूरु में एक व्यक्ति और उसके कार चालक का अपहरण करके उससे 1.09 करोड़ रुपये नकद लूटने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना 15 जून को मदनायकनाहल्ली थाना क्षेत्र में हुई थी। पुलिस ने दावा किया कि इन गिरफ्तारियों के साथ ही उन्होंने 85.50 लाख रुपये की नकदी, एक खिलौना पिस्तौल, तीन मोबाइल फोन और अपराध में इस्तेमाल की गई दो कारें बरामद कर ली हैं।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों में शामिल एक व्यक्ति पूर्व में पीड़ित के चालक के रूप में काम कर चुका है और उसने ही अपने साथियों को सूचना दी थी कि शिकायतकर्ता एक कंपनी में निवेश के लिए भारी मात्रा में नकदी ले जाने वाला है। इसी सूचना के आधार पर उन्होंने लूट की इस वारदात की साजिश रची और उसे अंजाम दिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''जांच से पता चला है कि सभी 10 आरोपी आपस में दोस्त थे। चूंकि उनके पास कोई स्थायी रोजगार नहीं था और उनमें से तीन आदतन अपराधी थे, इसलिए उन्होंने जल्दी पैसा कमाने के लिए यह साजिश रची।'' पुलिस ने बताया कि 24 जून को पांच आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने कहा कि शेष पांच आरोपियों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

सरकारी सेवाओं को अधिक सुलभ और जनहितैषी बनाएं अधिकारी : चंद्रबाबू नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने अधिकारियों को सरकारी सेवाओं को अधिक सुलभ, सरल और जनहितैषी बनाने का निर्देश दिया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई।

विज्ञप्ति के मुताबिक मुख्यमंत्री ने सोमवार को सचिवालय स्थित रियल टाइम गवर्नेंस सोसाइटी (आरटीजीएस) केंद्र में विभिन्न विभागों के कामकाज की समीक्षा के दौरान अधिकारियों से सेवा वितरण प्रणाली को सरल और सुव्यवस्थित बनाने को कहा। विज्ञप्ति के अनुसार, ''मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सरकारी सेवाओं को अधिक सुलभ और नागरिक हितैषी बनाने तथा सेवा वितरण प्रणाली को सरल एवं सुव्यवस्थित करने का निर्देश दिया।'' अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि सरकार ने 11 श्रेणियों की सेवाओं से शुरुआत करते हुए प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए पहले ही कदम उठाए हैं।

नायडू ने अधिकारियों को लोक शिकायत निवारण प्रणाली को अधिक मजबूत बनाने तथा इसे आम लोगों के लिए अधिक सुलभ बनाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि लोगों को ऑनलाइन और 'मन मित्र' व्हाट्सऐप गवर्नेंस मंच के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। इसके तहत आवाज के रूप में संदेश भेजकर भी शिकायत दर्ज करने का विकल्प दिया जाए। विज्ञप्ति के अनुसार अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि राज्य में लगभग 3,000 स्थानों पर मोबाइल नेटवर्क की समस्या है। इस पर नायडू ने तीन महीने के भीतर इन समस्याओं का समाधान करने का निर्देश दिया।

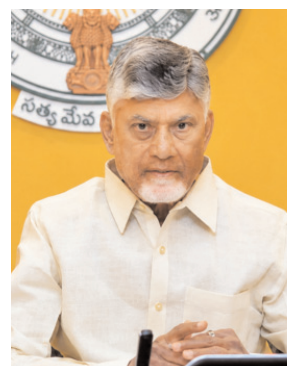

बैठक के दौरान महिला एवं बाल कल्याण विभाग द्वारा संचालित 'नवचेतना' प्रारंभिक बाल विकास जांच कार्यक्रम पर भी प्रस्तुति दी गई। अधिकारियों ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास का आकलन किया जाता है तथा अब तक राज्य में लगभग 34,000 बच्चों की जांच की जा चुकी है। सरकारी वेबसाइट के अनुसार 'नवचेतना' जन्म से तीन वर्ष तक के बच्चों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए गतिविधि-आधारित पाठ्यक्रम है। अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों में आने वाले बच्चों की जांच के साथ-साथ टीमों द्वारा घर-घर जाकर भी सर्वेक्षण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रमुख समस्याओं वाले क्षेत्रों की पहचान कर उनका तत्काल समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने बताया कि लोक शिकायत निवारण प्रणाली को और प्रभावी बनाने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी जारी की गई है। बाद में नायडू ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी तथा अन्य प्रतिनिधियों के साथ आरटीजीएस केंद्र का दौरा किया।

पांच साल से खाली पड़ी सरकारी जमीनों पर होगी कार्रवाई : डी के शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने राज्य के वन विभाग के कामकाज को लेकर एक उच्च स्तरीय प्रोग्रेस रिव्यू मीटिंग की। सोमवार को विधानसभा में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दो टूक शब्दों में चेतावनी दी कि माइनिंग या अन्य औद्योगिक कामों के लिए ली गई जो सरकारी जमीनें सालों से खाली पड़ी हैं, उन पर तुरंत कार्रवाई की जाए। बैठक में सरकार की मुख्य सचिव डॉ. शालिनी रजनीश, अतिरिक्त मुख्य सचिव तुषार गिरिनाथ और वन बल प्रमुख मीनाक्षी नेगी समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने आर्थिक नुकसान और प्रोजेक्ट्स की बढ़ती लागत पर चिंता जताते हुए कहा कि अगर कोई सरकारी जमीन किसी प्रोजेक्ट के लिए ली जाती है और उसे 5-6 साल तक खाली छोड़ दिया जाता है, तो इससे सरकार को कोई राजस्व नहीं होता। साथ ही, समय बीतने के साथ प्रोडक्शन की लागत और प्रोजेक्ट की कुल कीमत भी बढ़ जाती है। ऐसी लापरवाही और देरी को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने निर्देश दिया कि इंडस्ट्रियल और माइनिंग प्रोजेक्ट्स के लिए सभी जरूरी अनुमतियां एक तय समय सीमा के भीतर देने का पुख्ता इंतजाम किया जाए। बैठक में वन विभाग से जुड़े पेंडिंग मामलों को लेकर सख्त समय-सीमा तय की गई है। सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव तुषार गिरिनाथ ने मुख्यमंत्री को भरोसा दिलाया कि 15 जुलाई तक सभी पुराने और पेंडिंग फॉरेस्ट परमिशन के मामलों को निपटाने के लिए कदम उठाए जा चुके हैं। इसके अलावा शरावती पंप स्टोरेज, गोवा तामनेर, कलासा बंडूरी और बीडीए पेरिफेरल रिंग रोड जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए राज्य और केंद्र स्तर पर अटके फॉरेस्ट क्लीयरेंस को तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि जंगलों में रहने वाले लोगों (वनवासियों) के 'फॉरेस्ट राइट्स' को किसी भी कीमत पर नजरअंदाज न किया जाए। उन्हें छोटे-मोटे बहानों से परेशान करना बंद होना चाहिए। नियमों के तहत उन्हें पीने का साफ पानी, सड़क और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं देना सरकार की पहली प्राथमिकता है। जनता के बीच पौधे बांटने और प्लांटेशन प्रोग्राम को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने को कहा गया है।

बैठक में बताया गया कि साल 2025-2026 में फसल नुकसान, वन्यजीवों के हमले में जानमाल के नुकसान और अन्य दुर्घटनाओं के मुआवजे के रूप में 6,306 लाख रुपये बांटे गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि इंसान और जानवरों के बीच टकराव रोकने के लिए रेलवे बैरिकेड, हाथी सुरक्षा खाई, सोलर फेंस और थर्मल ड्रोन सिस्टम का इस्तेमाल किया जा रहा है।

साथ ही एलिफेंट व लेपर्ड टास्क फोर्स और डिजिटल माध्यमों से जागरूकता फैलाई जा रही है। इस पर मुख्यमंत्री ने व्यावहारिक रुख अपनाते हुए कहा कि जानवर भी समय के साथ इन रुकावटों को पार करने के नए तरीके ढूंढ लेते हैं। इसलिए अधिकारियों को लगातार नई तकनीकों और आधुनिक तरीकों की स्टडी करते रहना चाहिए ताकि वन्यजीव संपदा की प्रभावी सुरक्षा हो सके। प्रशासनिक व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए मुख्यमंत्री ने विभाग में अलग-अलग स्तरों पर खाली पड़े पदों की जानकारी ली। उन्होंने बैठक में मौजूद अधिकारियों के साथ इन जरूरी पदों को जल्द से जल्द भरने के लिए एक्शन प्लान पर चर्चा की।

कर्नाटक में आज से गणना प्रपत्रों के वितरण के साथ एसआईआर प्रक्रिया की होगी शुरुआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) वी. अंबुकुमार ने सोमवार को कहा कि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया 30 जून को बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित करने के साथ शुरू होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के लिए पात्रता तारीख एक अक्टूबर, 2026 है। सीईओ ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बीएलओ 30 जून से 29 जुलाई तक घर-घर जाकर दौरा करेंगे। उन्होंने बताया कि मसौदा मतदाता सूची पांच अगस्त को प्रकाशित की जाएगी।

अंबुकुमार ने कहा कि दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अवधि पांच अगस्त से चार सितंबर तक होगी, जबकि जहां भी ज़रूरी हो, नोटिस जारी किए जाएंगे और दावों व आपत्तियों का निस्तारण पांच अगस्त से तीन अक्टूबर के बीच किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अंतिम मतदाता सूची सात अक्टूबर को प्रकाशित की जाएगी। सीईओ ने बताया, ''कर्नाटक का पूरा सरकारी तंत्र इस प्रक्रिया के लिए तैयार है। हमने 68,123 अधिकारियों को तैनात किया है, जिनमें 59,050 बूथ स्तरीय अधिकारी, 7,556 बूथ स्तरीय पर्यवेक्षक और 224 चुनावी पंजीकरण अधिकारी शामिल हैं।''

उन्होंने कहा, ''सीईओ से लेकर ज़िला-स्तर तक के अधिकारियों को इस प्रक्रिया के लिए प्रशिक्षित किया गया है।'' अंबुकुमार ने बताया कि राजनीतिक दलों ने करीब 1.15 लाख बूथ-स्तरीय एजेंट नियुक्त किए हैं, जिनमें से ज़्यादातर को प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा, ''हमने 16 जून, 2026 तक मतदाता सूची में शामिल 5.54 करोड़ से अधिक मतदाताओं के लिए गणना प्रपत्र मुद्रित किए हैं। ये प्रपत्र मतदान केंद्रों पर बीएलओ को सौप दिए गए हैं।''

सीईओ ने कहा, ''हमारे बीएलओ 30 जून से 29 जुलाई तक उन सभी मतदाताओं को गणना प्रपत्र देंगे जिनके नाम 2026 की मतदाता सूची में शामिल हैं।'' मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी मतदाताओं से अनुरोध किया कि वे गणना प्रपत्र पर अपनी नवीनतम तस्वीर चस्पा करें, ज़रूरी जानकारी भरें, उन पर हस्ताक्षर करें और उन्हें संबंधित बीएलओ को लौटा दें। उन्होंने कहा, ''कर्नाटक में हमने पहले ही 91.61 प्रतिशत मतदाताओं का आधार वर्ष की मतदाता सूची से मिलान कर लिया है। एसआईआर 2026 के लिए 16 जून, 2026 तक मतदाता सूची में दर्ज नाम को शामिल किया जाएगा। उस तारीख को कर्नाटक में कुल मतदाताओं की संख्या 55,432,314 थी। इनमें से हमने पहले ही 91.61 प्रतिशत का मिलान कर लिया है।'

केनरा बैंक ने सरकार को 2397 करोड़ का लाभांश का चेक सौंपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केनरा बैंक ने सोमवार को वित्त वर्ष 2025-2026 के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को 2,397 करोड़ का लाभांश (डिविडेंट) चेक दिया। यह चेक केनरा बैंक के एमडी और सीईओ ब्रजेश कुमार सिंह ने मंत्रालय के सीनियर अधिकारियों और बैंक के कार्यकारी निदेशक हरदीप सिंह अहलूवालिया, भावेंद्र कुमार और सुनील कुमार चुघ की मौजूदगी में दिया। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, केनरा बैंक ने प्रति शेयर 4.2 रुपए का लाभांश देने का ऐलान किया। यह लाभांश पेमेंट केनरा बैंक के मजबूत फाइनेंशियल परफॉर्मेंस और अपने मेजोरिटी स्टेकहोल्डर, भारत सरकार सहित सभी स्टेकहोल्डर्स के लिए लॉन्ग-टर्म वैल्यू बनाने के उसके लगातार कमिटमेंट का सबूत है। बैंक ने 2025-26 में 19,187 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड नेट प्रॉफ़िट बताया, जबकि पिछले साल यह 17,027 करोड़ रुपए था। यह सालाना प्रॉफ़िट में 12.69 प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखाता है।

भाकृ अनुप-भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Oilseeds Research
राजेंद्रनगर, हैदराबाद-500 030, तेलंगाना राज्य, भारत
Rajendranagar, Hyderabad-500 030, Telangana State, India
Tel.: 040-24598204, Website: http://www.icar-iior.org.in
ISO 9001 : 2015 Certified Institute

F. No. SEED/Oilseeds/EOI-SP दिनांक:18.06.2026

बीज उत्पादन के लिए अभिरुचि की अभिव्यक्ति (EoI)

रबी–2026–27 के लिए अरंडी, सूरजमुखी और कुसुम के बीज उत्पादन हेतु ICAR-IIOR, हैदराबाद के साथ पंजीकरण के लिए बीज उत्पादक संस्थाओं से अभिरुचि की अभिव्यक्ति (EoI) आमंत्रित की जाती है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संस्थान की वेबसाइट (https://icar-iior.org.in/) देखें।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं. 16/SBC/26, दिनांक: 15.06.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्र.सं.	संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत
1	**सहायक मंडल इंजीनियर/मंड्या उप-विभाग:** बिडदि (बीआईडी) पर प्रस्तावन के अनुसार रनिंग रूम का निर्माण (20 बेड)। रखरखाव की अवधि 3 वर्ष।	रु. 1,56,30,059/-
2	**मंडल इंजीनियर/पश्चिम/बेंगलूरु विभाग/केएसआर बेंगलूरु:** प्रस्तावन के अनुसार बेंगलूरु आसपास प्रदेशों पर 1500 मीटर लंबाई दूर के लिए बाऊंडरी वॉल का निर्माण कार्य। (2 मी. ऊंचाई मेसनरी और 1 मी. फेन्सिंग, कुल 3 मी. ऊंचाई)। रखरखाव की अवधि 12 महिने।	रु. 1,99,11,538/-
3	**मंडल इंजीनियर/पश्चिम/बेंगलूरु विभाग/केएसआर बेंगलूरु: उप कार्य-1:** बेंगलूरु एमजी कॉलोनी में बिट्युमिनस रोड़ सर्फेस के लिए सुधारण कार्य। **उप कार्य-2:** सहायक मंडल इंजीनियर/मंड्या क्षेत्राधिकार के तहत बेंगलूरु - एलियूरु खंड के बीच कृष्णदेवराया हॉल्ट (केएनडीवी), नायंडहलाली (एनवायएच), ज्ञानभारती हॉल्ट (जीएनबी), हेज्जाला (एचजेएल), बिडदि (बीआईडी), केतोहल्ली (केएचएलएल), शेट्टिहल्ली (एसईटी), निडघट्टा हॉल्ट (एनझडएच), हनकेरे (एचएनके), मद्दूर (एमएडी), एलियूर (वाय) पर प्रस्तावन के अनुसार टाक्टाईल पाथवे से प्लॉटफार्म पर दिव्यांग रैंप, सर्क्युलेटिंग प्रदेश का प्रावधान। रखरखाव की अवधि 6 महिने या एक मानसून अवधि मे जो बाद में आएगा वह होगा।	रु. 95,25,997/-
4	**सहायक विभागीय इंजीनियर/मंड्या उप-विभाग:** सहायक मंडल इंजीनियर/मंड्या क्षेत्राधिकार के तहत मद्दूर (एमएडी) स्टेशन पर 1.00 लाख ली. सामर्थ्य वाली ओएचटी (ओवर हेड टैंक) का निर्माण और इलेक्ट्रिकल पोर्शन। रखरखाव की अवधि 6 महिने या एक मानसून अवधि मे जो बाद में आएगा वह होगा। (संयुक्त निविदा)	रु. 92,86,411/-
5	**सहायक विभागीय इंजीनियर/मंड्या उप-विभाग: ज्ञानभारती हॉल्ट (जीएनबी-एच) स्टेशन:** सहायक विभागीय इंजीनियर:मंड्या क्षेत्राधिकार पर बेंगलूरु - एलियूरु खंड के बीच ज्ञानभारती हॉल्ट (जीएनबी-एच) स्टेशन पर प्रस्तावित पीएफ-1 और पीएफ-2 को 95.00 मीटर लंबाई और 5 मीटर चौडाई से विस्तार करना, दिव्यांगजन शौचालय के साथ 1 नं. पे एंड यूज़ शौचालय, पेय जल का बूथ, प्लैटफॉर्म शेल्टरका निर्माण कार्य। रखरखाव की अवधि 6 महिने या एक मानसून अवधि मे जो बाद में आएगा वह होगा।	रु. 1,68,26,621/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 14.07.2026, 15:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

PUB/243/AAF/PRB/SWR/2026-27 वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर / समन्वय / बेंगलूरु

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

एसआईआर का विरोध नहीं लेकिन निर्वाचन आयोग कांग्रेस की आपत्तियों का समाधान करे : प्रियंक खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खरगे ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ नहीं है, लेकिन निर्वाचन आयोग को कांग्रेस की आपत्तियों का पहले समाधान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उचित कानूनी प्रक्रिया के बिना मतदाताओं के नाम सूची से हटाये नहीं जाने चाहिए। कर्नाटक में एसआईआर की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू होगी। प्रियंक खरगे ने सोमवार को बताया कि राज्य मंत्रिमंडल ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त के सामने आठ आपत्तियां रखी हैं। उन्होंने मतदाता सूची से नाम हटाने से पहले 'तार्किक विसंगति', कानूनी नोटिस, मौखिक आदेश और न्यायाधिकरण तक पहुंच जैसे मुद्दों पर स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''हम यह नहीं कह रहे हैं कि एसआईआर नहीं होना चाहिए। मतदाता सूची में सुधार आवश्यक है और यह निर्वाचन आयोग का अधिकार है। इससे भी जरूरी बात यह है कि त्रुटि रहित और सही मतदाता सूची उपलब्ध कराना उसकी जिम्मेदारी है।''

प्रियंक ने कहा कि कांग्रेस ने कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं, लेकिन उसे कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा, ''आप (निर्वाचन आयोग) किसी व्यक्ति को सिर्फ वर्तनी में गलती की वजह से मतदान करने के अधिकार से वंचित नहीं कर सकते।'' मंत्री ने कहा कि पार्टी चाहती है कि निर्वाचन आयोग इस प्रक्रिया को शुरू करने से पहले उसके सवालों का जवाब दे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपना जन-जागरूकता अभियान जारी रखेगी और साथ ही कानूनी विकल्पों पर भी विचार करेगी। प्रियंक ने एसआईआर प्रक्रिया में कृत्रिम मेधा के कथित इस्तेमाल पर सवाल उठाते हुए पूछा कि सॉफ्टवेयर का ऑडिट किसने किया और यह कैसे काम करता है। उन्होंने विभिन्न स्थानों पर करीब 89 लाख मतदाताओं के नाम हटाए जाने का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि प्रभावित मतदाताओं को न्यायाधिकरण में जाने का मौका नहीं दिया गया।प्रियंक ने बेंगलूरु के नजदीक बिड़दी में एआई टाउनशिप के लिए प्रस्तावित जमीन अधिग्रहण को लेकर जारी विवाद पर कहा कि किसी भी किसान को अपनी जमीन छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, ''कोई भी किसानों को अपनी जमीन बेचने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। हमने कभी ऐसा करने की कोशिश नहीं की और न ही कभी करेंगे।'' राज्य की मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कल्याणा कर्नाटक इलाके के पिछड़ेपन को लेकर कांग्रेस सरकार की आलोचना की है। प्रियंक ने इस पर पलटवार करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने इस इलाके के लिए 5,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं जबकि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार ने नाममात्र का निवेश किया।केंद्र सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा)के स्थान पर 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण)' शुरू किया है। इसे कर्नाटक में लागू करने के सवाल पर प्रियंक ने केंद्र पर आरोप लगाया कि उसने बिना किसी परामर्श के योजना का 40 प्रतिशत वित्तीय बोझ असंवैधानिक रूप से राज्यों पर डाल दिया है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार इस मामले में कानूनी कार्रवाई करने पर विचार कर रही है।

कर्नाटक में बिजली वितरण के निजीकरण का कोई प्रस्ताव नहीं : जॉर्ज

बेंगलूरु। ऊर्जा मंत्री के.जे. जॉर्ज ने सोमवार को कहा कि कर्नाटक में बिजली वितरण के निजीकरण का कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य का ऊर्जा विभाग मजबूत है और उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति करने में सक्षम है। उन्होंने यह बात बेंगलूरु के पैलेस ग्राउंड में फेडरेशन ऑफ कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन एम्प्लॉइज यूनियंस एंड एसोसिएशंस' की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में कही। टाटा पावर कंपनी द्वारा कर्नाटक में बिजली वितरण लाइसेंस के लिए कर्नाटक विद्युत नियामक आयोग (केईआरसी) के समक्ष आवेदन किए जाने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए जॉर्ज ने कहा, निजीकरण के मुद्दे पर पहले ही उचित निर्देश जारी किए जा चुके हैं और इसके अनुसार विद्युत वितरण कंपनियों (एस्कॉम्स) ने केईआरसी के समक्ष अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं।

मंत्री ने जोर देकर कहा कि कर्नाटक का ऊर्जा विभाग मजबूत है और सरकार कर्मचारियों के साथ खड़ी रहेगी। ऊर्जा मंत्री के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, उन्होंने स्पष्ट किया, हम किसी भी तरह से किसी निजी कंपनी से कम नहीं हैं। हम कर्मचारियों और अधिकारियों की मांगों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देंगे।

मुंबई-कोयंबटूर एक्सप्रेस को मिला यलहंका में स्टॉपेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने सोमवार को येलहंका रेलवे स्टेशन पर एक विशेष कार्यक्रम के दौरान ट्रेन नंबर 11014/11013 कोयंबटूर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस (मुंबई) एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर इसके नए स्टॉपेज की शुरुआत की। इस मौके पर चिक्काबल्लापुर के सांसद डॉ. के. सुधाकर, राज्यसभा सांसद लहर सिंह सिरोया और यलहंका के विधायक एसआर विश्वनाथ सहित कई वरिष्ठ रेलवे अधिकारी मौजूद रहे। ट्रेन नं. 11014/11013 अपनी यात्रा के दौरान यलहंका स्टेशन पर अब दो मिनट रूकेगी। जिससे यहां से यात्रा करने वालों को काफी फायदा होगा। बेंगलूरु उत्तर में रहने वाले प्रवासियों को अब केंट या सिटी स्टेशन पर जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

ई-(आईआरईपीएस) निविदा सूचना सं. 12 UBL 2026-27 , दिनांक: 22.06.2026

क्र.सं.	संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत
1	**हुबली विभाग:** सहायक मंडल इंजीनियर/बल्लारी क्षेत्राधिकार में कर्मचारी निवासों और सर्वीस बिल्डिंगों के लिए विभिन्न वार्षिक रखरखाव गतिविधियों के प्रावधान। **(विशेष कार्य-1)**	रु. 1,65,00,992/-
2	**हुबली विभाग:** सहायक मंडल इंजीनियर/गदग क्षेत्राधिकार में कर्मचारी निवासों और सर्वीस बिल्डिंगों के लिए विभिन्न वार्षिक रखरखाव गतिविधियों के प्रावधान। **(विशेष कार्य-2)**	रु. 1,60,66,846/-
3	**हुबली विभाग:** सहायक मंडल इंजीनियर/विजयपुरा क्षेत्राधिकार - होटगी (छोडकर) से बसवनबागेवाडी रोड (छोडकर) में कर्मचारी निवासों और सर्वीस बिल्डिंगों के लिए विभिन्न वार्षिक रखरखाव गतिविधियों के प्रावधान। **(विशेष कार्य-3/ए)**	रु. 1,23,62,902/-
4	**हुबली विभाग:** सहायक मंडल इंजीनियर/विजयपुरा क्षेत्राधिकार - बागलकोट (सहित), खज्जिदोनी (सहित) से बसवनबागेवाडी रोड (सहित) से बादामी (छोडकर) में कर्मचारी निवासों और सर्वीस बिल्डिंगों के लिए विभिन्न वार्षिक रखरखाव गतिविधियों के प्रावधान। **(विशेष कार्य-3/1ए)**	रु. 1,30,11,321/-
5	**हुबली विभाग:** सहायक मंडल इंजीनियर/केंद्र क्षेत्राधिकार - अन्निगेरे (छोडकर) - गदग (छोडकर) - बादामी (सहित) कर्मचारी निवासों और सर्वीस बिल्डिंगों के लिए विभिन्न वार्षिक रखरखाव गतिविधियों के प्रावधान। **(विशेष कार्य-4ए)**	रु. 1,72,45,032/-
6	**हुबली विभाग:** सहायक मंडल इंजीनियर/केंद्र/ हुबली क्षेत्राधिकार के अंतर्गत करजगी (सहित) से हुबली (छोडकर) - अन्निगेरे (सहित) में कर्मचारी निवासों और सर्वीस बिल्डिंगों के लिए विभिन्न वार्षिक रखरखाव गतिविधियों के प्रावधान। **(विशेष कार्य-4/1ए)**	रु. 1,52,75,769/-
7	**हुबली विभाग:** सहायक मंडल इंजीनियर/गदग उप मंडल में 2026-27 की मानसून अवधि के संदर्भ में 09 आरयूबीयों का डीवॉटरिंग और डेसिलिटिंग कार्य।	रु. 10,10,084/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 22.07.2026, 11:00 बजे तक

ई-(आईआरईपीएस) निविदा सूचना सं. 13 UBL 2026-27 , दिनांक: 23.06.2026

Sl.	Name of Work	Approx. Value
1	**हुबली विभाग:** केशवपुर बाडा, छोटा और न्यू विनोबा नगर, वाईब्रेंट कॉलोनी, ओल्ड हॉस्पिटल कॉलोनी के लिए विभिन्न वार्षिक रखरखाव गतिविधियों के प्रावधान **(विशेष कार्य-8)**	रु. 2,11,06,412/-
2	**हुबली विभाग:** एसई/कार्य/दप/हुबली क्षेत्राधिकार के तहत आने वाले एरिया में गॉल्फ लिंक कॉलोनी, ब्रूक रोड आफीसर कॉलोनी, हॉस्पिटल कॉलोनी के पीछे, रेलवे आफीसर्स क्लब और आसपास कॉलोनी, विल्ली ग्राऊंड, आफीसर रेस्ट हाऊस, अन्य सभी सर्वीस बिल्डिंग के लिए विभिन्न वार्षिक रखरखाव गतिविधियों के प्रावधान **(विशेष कार्य-8/ए1)**	रु. 3,74,73,163/-
3	**हुबली विभाग:** एसएसई/कार्य/क्यूटीआरएस क्षेत्राधिकार के अंतर्गत कर्मचारी निवासों और सर्वीस बिल्डिंग के लिए वार्षिक रखरखाव गतिविधियों के प्रावधान **(विशेष कार्य-9)**	रु. 3,08,53,717/-
4	**हुबली विभाग:** एसएसई/डब्लयु/डब्ल्यूडब्ल्यु/हुबली के अंतर्गत सहायक मंडल इंजीनियर/हुबली खंड में देशपांडे नगर, रेल नगर कॉलोनी, न्यू विद्यारन्या कॉलोनी, देवरगुडीहाल, ओबलापूर और सभी वॉटर सप्लाई सिस्टमों के लिए विभिन्न वार्षिक रखरखाव गतिविधियों के प्रावधान **(विशेष कार्य-10/ए)**	रु. 3,85,63,143/-
5	**हुबली विभाग:** हुबली रेलवे स्टेशन, हुबली यार्ड के सहित, 2रा प्रवेश, 3रा प्रवेश बिल्डिंग और अन्य सर्वीस बिल्डिंगों के लिए विभिन्न वार्षिक रखरखाव गतिविधियों के प्रावधान **(विशेष कार्य-11)**	रु. 2,31,50,206/-
6	**हुबली विभाग:** एसई/कार्य/धारवाड क्षेत्राधिकार के अंतर्गत कर्मचारी निवासों और सर्वीस बिल्डिंग और इसके तहत आने वाले एरिया में विभिन्न वार्षिक रखरखाव गतिविधियों के प्रावधान **(विशेष कार्य-12)**	रु. 94,12,800/-
7	**हुबली विभाग:** सहायक मंडल इंजीनियर / बेलगावी (बीजीएम) खंड के अंतर्गत रेसिडेन्शियल बिल्डिंग, सर्वीस बिल्डिंग, वॉटर सप्लाई नेटवर्क, सडक और ड्रैनेज के लिए विभिन्न वार्षिक रखरखाव गतिविधियों के प्रावधान **(विशेष कार्य-5)**	रु. 2,16,42,115/-
8	**हुबली विभाग:** सहायक मंडल इंजीनियर / क्यसेलरॉक (सीएलआर) खंड के अंतर्गत रेसिडेन्शियल बिल्डिंग, सर्वीस बिल्डिंग, वॉटर सप्लाई नेटवर्क, सडक और ड्रैनेज ब्राईटनिंग / पेंटिंग और कर्मचारी निवासों के लिए विभिन्न वार्षिक रखरखाव गतिविधियों के प्रावधान **(विशेष कार्य-6)**	रु. 2,12,66,169/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 24.07.2026, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

PUB/244/AAF/PRB/SWR/2026-27 वरिष्ठ मंडल इंजीनियर / समन्वय / हुबली

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

एजी श्रीनिवास ने 'दपरे' के अतिरिक्त महाप्रबंधक का पद संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

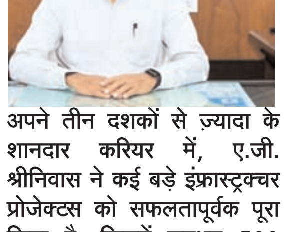

हुब्बल्ली। इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ़ इंजीनियर्स (आईआरएसई) के 1989 बैच के ऑफिसर एजी श्रीनिवास ने दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के अतिरिक्त महाप्रबंधक का पद संभाला है। श्रीनिवास 7 जनवरी 1991 को आईआरआईसीईएन पुणे में प्रोबेशनरी ट्रेनी के तौर पर इंडियन रेलवे में शामिल हुए थे। ट्रेनिंग पूरी होने पर, उन्हें 8 जनवरी 1993 को साउथ सेंट्रल रेलवे में असिस्टेंट इंजीनियर (एईएन) के तौर पर पोस्ट किया गया। इतने सालों में, उन्होंने दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे दक्षिण रेलवे में कई अहम काम किए हैं, और फील्ड ऑपरेशन के साथ-साथ एडमिनिस्ट्रेटिव रोल में भी काफी अनुभव हासिल किया है। अपने तीन दशकों से ज़्यादा के शानदार करियर में, ए.जी. श्रीनिवास ने कई बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को सफलतापूर्वक पूरा किया है, जिसमें लगभग 500 किलोमीटर रेलवे लाइनों को चालू करना और कई स्टेशनों का रीडेवलपमेंट शामिल है, जिससे इंडियन रेलवे की कैपेसिटी बढ़ाने और मॉडर्नाइज़ेशन में अहम योगदान मिला है। अभी का पद संभालने से पहले, वह नवंबर 2023 से भुवनेश्वर में चीफ एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर (कंस्ट्रक्शन) के तौर पर काम कर रहे थे।

केरल के सोना कारोबारी से मंगलूरु में 20 लाख रुपये की लूट

मंगलूरु। कर्नाटक के मंगलूरु के बाहरी इलाके में बदमाशों के एक गिरोह ने सोमवार तड़के केरल के एक सोना कारोबारी से करीब 20 लाख रुपये मूल्य का सोना और नकदी कथित तौर पर लूट ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना सुबह करीब चार बजे पनंबुर थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-66 पर बैकमपाडी के पास हुई।

'लीमा सिस्टर सिटी' साझेदारी से 10 अरब डॉलर व्यापार का लक्ष्य : परमेश्वर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने पेरू की राजधानी लीमा और बेंगलूरु के बीच एक ऐतिहासिक 'सिस्टर सिटी एग्रीमेंट' का प्रस्ताव रखा है। इस पहल का उद्देश्य व्यापार, शिक्षा, नवाचार, स्वास्थ्य सेवा और संस्कृति के क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करना है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इसे पेरू गणराज्य के साथ आर्थिक एवं कूटनीतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

आधिकारिक बयान के अनुसार, यह प्रस्ताव 28 जून को बेंगलूरु में आयोजित एक उच्चस्तरीय राजनयिक समारोह में रखा गया। यह समारोह पेरू गणराज्य के 205वें स्वतंत्रता दिवस और भारत-पेरू के बीच राजनयिक संबंधों के 63 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर परमेश्वर ने पेरू के लातिन अमेरिकी स्वतंत्रता आंदोलन और महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारत के स्वतंत्रता संग्राम के बीच समानताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि लोकतंत्र, दृढ़ता और समावेशी विकास जैसे साझा मूल्य दोनों देशों के संबंधों की आधारशिला हैं।

कर्नाटक की वैश्विक आर्थिक भूमिका का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य, भारत के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सॉफ्टवेयर निर्यात और जैव प्रौद्योगिकी उत्पादन में 40 प्रतिशत से अधिक योगदान देता है, जिससे वह देश का प्रमुख प्रौद्योगिकी एवं नवाचार केंद्र बन गया है।उन्होंने कहा

कि हाल ही में संपन्न 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट' को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया ने एक बार फिर साबित किया है कि कर्नाटक दुनिया के सबसे आकर्षक निवेश स्थलों में से एक है। परमेश्वर ने कहा, ''बेंगलूरु और पेरू के किसी प्रमुख शहर के बीच सिस्टर सिटी' साझेदारी व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी, नवाचार तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान में सहयोग के नए संस्थागत रास्ते खोलेगी। यह पहल आने वाले वर्षों में भारत और पेरू के बीच द्विपक्षीय व्यापार को 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा सकती है।'' समारोह को संबोधित करते हुए भारत में पेरू के राजदूत जेवियर मैनुअल पॉलिनिच वेलार्डे ने बेंगलूरु को दुनिया की अग्रणी नवाचार राजधानियों में से एक बताया और भारतीय उद्योग जगत से पेरू में निवेश के अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''बेंगलूरु ने नवाचार एवं उद्यमिता के वैश्विक केंद्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है। हम कर्नाटक के निवेशकों तथा उद्योगपतियों को पेरू में अपने निवेश का विस्तार करने और हमारे विकास अभियान के भागीदार बनने के लिए आमंत्रित करते हैं।''

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं: L7265574
दिनांक: 19.06.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए आईआरईपीएस माध्यम से ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

विवरण संक्षेप में: प्लेन मैक स्टांडर्ड सहायक उपकरणों के साथ डिजिटल वीएचएफ 25 वॉट रेडियो का आपूर्ती और परीक्षण। **(मात्रा: 160 नं.)**

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 20.07.2026, 10:30 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक हुबली
PUB/237/AAF/PRB/SWR/2026-27

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. 42MECHWELDINGGAS CUTTING दिनांक: 24.06.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

विवरण संक्षेप में	अनुमानित लागत
होसपेटे, जिंदाल और नावलूर डिपों पर दो वर्ष की अवधि के लिए वेगनों का वेल्डिंग और गैस कटिंग कार्यों के लिए आऊटसोर्सिंग।	रु. 12,64,83,604.69

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 14.07.2026, 15:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ मंडल मेकानिकल इंजीनियर सी व डब्ल्यू / हुबली
PUB/246/AAF/PRB/SWR/2026-27

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

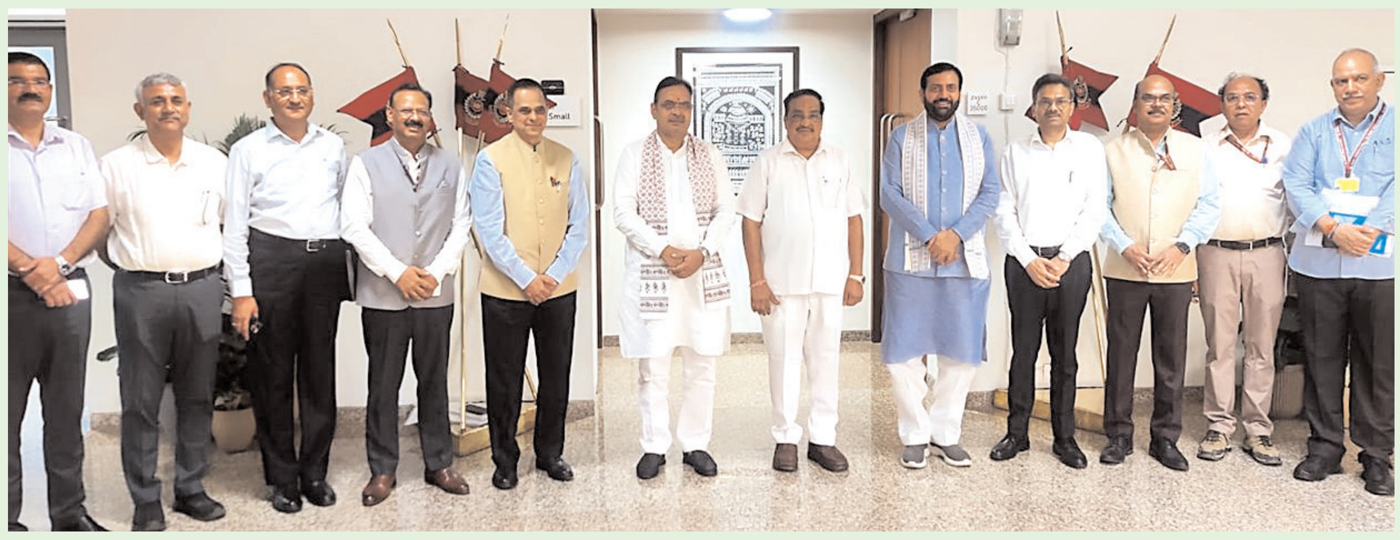

यमुना जल समझौता राजस्थान के लिए ऐतिहासिक क्षण, शेखावाटी क्षेत्र को अब मिल सकेगा यमुना का पानी

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में यमुना जल परियोजना का एमओए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में सोमवार को नई दिल्ली के कर्तव्य भवन में यमुना जल परियोजना को लेकर राजस्थान और हरियाणा के बीच मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (एमओए) किया गया। इस एमओए पर केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हस्ताक्षर किए। राजस्थान को मिलेगा अपने हिस्से का पानी, हथिनीकुंड बैराज से लगभग 295 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछेगी लगभग 34,102 करोड़ रुपये की इस परियोजना से राजस्थान की जल सुरक्षा सुदृढ़ होगी। इसके अंतर्गत राजस्थान के हिस्से का पानी हथिनीकुंड बैराज से लगभग 295.5 किलोमीटर लंबी भूमिगत पाइपलाइन प्रणाली के माध्यम से चूरू जिले के हंसियावास (चूरू) जलाशय तक पहुंचाया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत तीन भूमिगत पाइपलाइनें, निरीक्षण सड़क, कृत्रिम जलाशय तथा आधुनिक जल प्रबंधन प्रणाली विकसित की जाएगी। राजस्थान सरकार द्वारा परियोजना की विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार कर केंद्रीय जल आयोग को भेजी जा चुकी है। वहीं, हरियाणा द्वारा पाइपलाइन अलाइनमेंट को सैद्धांतिक स्वीकृति भी प्रदान की जा चुकी है। परियोजना के निर्माण एवं संचालन के लिए राजस्थान हरियाणा यमुना वाटर एसपीवी का गठन किया जाएगा।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि यमुना जल समझौते से हरियाणा और राजस्थान के लोगों की पानी से जुड़ी लगभग 3 दशक पुरानी समस्या का आज समाधान हो गया है। यह समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए सहकारी संघवाद के मंत्र का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से विशेषकर राजस्थान में पीने के पानी की समस्या के निवारण में बहुत सहायता मिलेगी। जिससे धरती की प्यास बुझेगी और कंठों की भी।

शाह ने कहा कि समझौते में वित्तीय जिम्मेदारी, लागत साझीकरण, जल आवंटन और जल छोड़ने के प्रोटोकॉल और रखरखाव का बारीकी से ध्यान रखा गया है। इस वैज्ञानिक रूप से परिपूर्ण समझौते में बुनियादी ढांचे का संचालन, रखरखाव, निगरानी तंत्र, पारदर्शिता के उपायों और विवाद समाधान की प्रक्रिया को भी बहुत बढ़िया तरीके से समाहित किया गया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा, राजस्थान और विशेषकर केन्द्रीय जल आयोग ने इस समझौते का जो प्रारूप बनाया है वह आने वाले कई दशकों तक विवादहीन समझौते के रूप में स्थापित रहेगा।

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में जल सुरक्षा, जल संरक्षण और राज्यों के बीच समन्वय को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में राजस्थान और हरियाणा के बीच हुआ यमुना जल समझौता ना केवल आमजन को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा, बल्कि भविष्य में अंतरराज्यीय जल संसाधन प्रबंधन के लिए भी एक आदर्श मॉडल बनेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 1994 में ऊपरी यमुना बेसिन राज्यों के मध्य समझौते के तहत राजस्थान को ताजेवाला हैड पर 1917 क्यूसेक जल आवंटित किया गया था। किंतु प्रवाह प्रणाली के अभाव में 32 वर्षों तक राजस्थान अपने हिस्से के जल का पूर्ण उपयोग नहीं कर पाया। पिछले कुछ वर्षों में इस विषय पर सकारात्मक संवाद और प्रयास किए गए। जिसकी निरंतरता में फरवरी 2024 में हरियाणा एवं राजस्थान के मुख्यमंत्रियों के साथ हुई बैठक में भूमिगत पाइपलाइन से जल हस्तांतरण हेतु संयुक्त डीपीआर तैयार करने का निर्णय लिया गया। वहीं, जून 2026 को आयोजित बैठक में परियोजना के क्रियान्वयन की रूपरेखा पर दोनों राज्य के साथ सहमति भी बनी। आज केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में एमओए को अंतिम रूप प्रदान किया गया है।

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री ने कहा कि इस परियोजना के अंतर्गत हथिनीकुंड बैराज से भूमिगत पाइपलाइन द्वारा चूरू, सीकर, झुंझुनूं सहित अन्य जल क्षेत्रों को पेयजल की दीर्घकालिक पूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। वहीं, ऊपरी यमुना बेसिन की प्रमुख भंडारण परियोजनाओं के पूर्ण होने पर सिंचाई सहित अन्य आवश्यकताओं को भी चरणबद्ध रूप से पूरा करने का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि इस समझौते पत्र में जल आवंटन, भूमि अधिग्रहण लागत, साझेदारी संचालन एवं पारदर्शी निगरानी की व्यवस्था तथा विवाद समाधान जैसे सभी महत्वपूर्ण विषय पर स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं। जिससे परियोजना के समयबद्ध एवं सुचारू क्रियान्वयन का मजबूत आधार तैयार होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मानते रहे हैं कि जल केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन और भविष्य की गारंटी है। आज उन्हीं के दूरदर्शी नेतृत्व एवं संवेदनशील सोच के कारण दशकों से लंबित यमुना जल समझौता मूर्त रूप ले सका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मंत्र इस ऐतिहासिक उपलब्धि का आधार है। इससे पहले भी वर्ष 2003 में नर्मदा परियोजना के जरिए राजस्थान के बाड़मेर और जालोर तक पानी पहुंचाने में भी प्रधानमंत्री की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। जिसके लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत ने भी उनका आभार जताया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वी राजस्थान से जुड़ी राम जल सेतु लिंक परियोजना हो या हर घर तक नल से शुद्ध जल पहुंचाने का जल जीवन मिशन, यह सब डबल इंजन सरकार की शक्ति के कारण ही संभव हो सका है। डबल इंजन सरकार का अर्थ है बिना विलंब के निर्णय, बिना बाधा के क्रियान्वयन, और जन-कल्याण के संकल्प में पूर्ण समन्वय।

उन्होंने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की भूमिका की विशेष सराहना करते हुए कहा कि दोनों राज्यों के मध्य सेतु बनकर, संवाद को सतत बनाए रखा और हर पड़ाव पर संरक्षक की भूमिका निभाकर उन्होंने इस समझौते को संभव बनाया। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सक्रिय सहयोग के लिए भी हार्दिक आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुना जल समझौते के अंतर्गत हथिनीकुंड बैराज से भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से जल राजस्थान लाया जाएगा। इससे ना केवल शेखावाटी क्षेत्र को, बल्कि हरियाणा में भी दस स्थानों पर पेयजल उपलब्ध होगा। साथ ही, इसके अंतर्गत बनने वाली सड़क से हरियाणा में भी विकास की नई राहें खुलेंगी। राजस्थान के हासियावास में निर्मित होने वाले जलाशय से हरियाणा के निवासियों को भी पेयजल उपलब्ध होगा।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्षा के पानी को पाइपलाइन के माध्यम से हथिनीकुंड बैराज से राजस्थान तक ले जाया जाएगा, जिसका पेयजल के रूप में उपयोग किया जा सकेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताते हुए कहा कि बहुत लंबे समय से यह लंबित परियोजना अब साकार होने जा रही है। इसमें हरियाणा पूर्ण रूप से सहयोग करेगा, क्योंकि हर व्यक्ति तक पानी की पहुंच सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दौरान राजस्थान एवं हरियाणा के मुख्य सचिव सहित संबंधित वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे।

दीवार गिरने से तीन मजदूरों की मौत, एक घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर में निर्माणाधीन रिसॉर्ट की दीवार अचानक गिर गई। वहां काम कर रहे कई मजदूर इसके मलबे में दब गए। दो महिलाओं सहित तीन मजदूरों की मौत हो गई। 12 से ज्यादा मजदूर घायल हो गए। हादसा चंदवाजी थाना इलाके में जयपुर-दिल्ली हाईवे पर स्थित अरावली पैलेस रिसॉर्ट में सोमवार दोपहर 12:30 बजे हुआ। सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर मलबे में दबे मजदूरों को बाहर निकाला। घायलों को तुरंत निम्स हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

जयपुर ग्रामीण हनुमान प्रसाद मीणा ने जानकारी देते हुए बताया की जयपुर के ताला मोड़ के चंदवाजी इलाके में दीवार गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। बचाव कार्य जारी है। हादसे के समय 24 से ज्यादा मजदूर सीवरेज के गड्ढे को ठीक करने का काम कर रहे थे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

राजस्थान में इस हफ्ते हो सकती है मध्यम से भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दक्षिण पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने की अनुकूल परिस्थितियों के बीच राजस्थान के अनेक हिस्सों में इस हफ्ते मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। विभाग के अनुसार दक्षिण पश्चिम मानसून की उत्तरी सीमा इस समय गुजरात, मध्यप्रदेश, झारखंड, बिहार के कुछ भागों से होकर गुजर रही है। आगामी दो-तीन दिन में गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ भागों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल है। राज्य के कोटा और उदयपुर संभाग में कुछ भागों में आगामी दिनों में कहीं-कहीं मध्यम से तेज बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। इस दौरान जयपुर, भरतपुर और कोटा संभाग में कहीं-कहीं हल्की/मध्यम बारिश होगी। वहीं दक्षिण-पूर्वी व पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में दो जुलाई से बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की पूरी उम्मीद है। तीन से पांच जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान के कुछ और भागों में बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने व कहीं-कहीं मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनसुार इस हफ्ते की शुरुआत में जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है, वहीं नमी अधिक होने के कारण उमस भरी गर्मी पड़ेगी।

गेम चेंजर साबित होगी पचपदरा रिफाइनरी परियोजना : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 4 जुलाई को पचपदरा रिफाइनरी के उद्घाटन के लिए होने वाले दौरे से पहले राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस मेगा प्रोजेक्ट को गेम चेंजर बताया है, जो राज्य के आर्थिक भविष्य को बदल देगा और औद्योगिक विकास के एक नए युग की शुरुआत करेगा। भजन लाल शर्मा ने रविवार को रिफाइनरी स्थल पर तैयारियों की व्यापक समीक्षा की और विश्वास व्यक्त किया कि यह मेगा परियोजना राज्य के लिए समृद्धि के एक नए युग की शुरुआत करेगी। राजस्थान के मुख्यमंत्री ने कहा कि यह राज्य के आर्थिक परिदृश्य को बदलने और पूरे क्षेत्र में विकास को गति देने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री के दौरे से पहले मुख्यमंत्री ने रिफाइनरी परिसर का निरीक्षण किया।

एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरएल) और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। लगभग डेढ़ घंटे चली इस बैठक में रिफाइनरी की परिचालन तत्परता, सुरक्षा व्यवस्था, रसद और उद्घाटन समारोह की तैयारियों पर ध्यान केंद्रित किया गया।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री की यात्रा से संबंधित सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी कर ली जाएं। रिफाइनरी के हेलीपैड पर पहुंचने पर शर्मा का स्वागत प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत, मंत्री के.के. बिश्नोई, विधायक हमीर सिंह भयाल, अरुण चौधरी और आदुरम मेघवाल के साथ-साथ वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने किया। समीक्षा के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 जुलाई को राजस्थान आ रहे हैं। पश्चिमी राजस्थान में एक ऐतिहासिक क्षण घटित होने वाला है, जिसका लोग वर्षों से इंतजार कर रहे थे। यह रिफाइनरी राजस्थान का भविष्य बदलने वाली है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश ने अभूतपूर्व विकास देखा है, जिसमें गरीबों को लाभ पहुंचाने वाली कई कल्याणकारी पहलें और दो इंजन वाली सरकार के तहत राजस्थान में प्रमुख अवसंरचना परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा, महज ढाई साल के भीतर राजस्थान में कई विकास परियोजनाएं शुरू हो चुकी हैं। राज्य तेजी से प्रगति के पथ पर अग्रसर है और आने वाले वर्षों में राजस्थान विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा।

अपनी यात्रा समाप्त करने से पहले मुख्यमंत्री ने पूजनीय संभारा आशापुरा माता मंदिर में प्रार्थना की और रिफाइनरी के सफल संचालन और राजस्थान की समृद्धि और खुशहाली के लिए आशीर्वाद मांगा।

प्राचीन ज्ञान का आधुनिक विज्ञान में समन्वय कर बनाएं समग्र विकास की राह : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि प्राचीन भारत में आठ लाख गुरुकुल थे। इनमें व्यावहारिक जीवन के लिए 18 विद्याएं और 64 कलाओं का ज्ञान विद्यार्थियों को दिया जाता था। गुरुकुल में समग्र जीवन से जुड़ा ज्ञान विद्यार्थियों को मिलता था। इसमें नैतिकता को सर्वोच्च स्थान दिया गया था। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी परंपराओं के संरक्षण की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति प्राचीन ज्ञान से आधुनिक विज्ञान के विकास के समन्वय से भारत के सर्वांगीण विकास से जुड़ी है। बागडे सोमवार को पूर्णिमा विश्वविद्यालय में विद्याभारती के सहयोग से आयोजित भारतीय ज्ञान परंपरा- पारंपरिक ज्ञान से आधुनिक शिक्षा, शोध और नवाचार विषयक पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने 16 वीं शताब्दी में महाराणा प्रताप के दरबारी लेखक चक्रपाणी मिश्र का उल्लेख करते हुए कहा कि उसने विश्व वल्लभ ग्रन्थ लिखा। इसमें भू जल की खोज, मौसम की भविष्यवाणी, जल शुद्धिकरण, कुंड निर्माण, बावड़ियां और पर्यावरण संरक्षण की विरल जानकारिया हैं। उन्होंने कहा कि यह ग्रन्थ बागवानी, वृक्ष से संबंधित बीमारियां, उन्हें दूर करने के उपायों, कृषि वानिकी आदि की उन्नत तकनीक पर बहुत महत्वपूर्ण जानकारियां लिए है। उन्होंने कहा कि भारत की ज्ञान परम्परा की यही विशेषता रही है कि वह युगीन संदर्भों में ऐसी उपयोगी तकनीक से जुड़ी थी, जिसे आज आधुनिक विज्ञान कहा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन शिक्षा प्रणाली मुख्य रूप से वैदिक परंपरा थी। हमारे यहां शिक्षा केवल पाठ्य पुस्तकों पर आधारित नहीं थी बल्कि जीवन के सर्वांगीण विकास से जुड़ी रही है। इसमें नैतिकता को सबसे अधिक प्रमुखता दी गई थी। उन्होंने कहा कि प्रभु राम ने भी गुरुकुल शिक्षा पद्धति से शिक्षा पाई। इसी से वह मर्यादा पुरुषोत्तम हुए। उन्होंने कहा कि विश्वामित्र ने दशरथ से राम को आश्रमों में राक्षसों के उत्पात से बचाने के लिए मांग लिया था। उन्होंने कहा कि विश्वामित्र ने ही सिखाया कि हिंसा का प्रतिकार कई बार जब उसी भाषा में नहीं दिया जाता तो हिंसा से ग्रस्त डरपोक समाज बनता है। हिंसा का प्रतिकार ही हमारे यहां अहिंसा का सर्वोत्तम मार्ग है।

राज्यपाल ने कहा कि अंग्रेजो ने जब देश पर शासन किया तब जो गजेटियर निकाले उनमें यह सामने आया कि हमारे देश में 8 लाख गुरुकुल थे। भारत तब बहुत बड़ा था। पाकिस्तान, म्यांमार, श्रीलंका आदि भारत में ही थे। गुरुकुल में शिक्षा निशुल्क थी। इनका खर्च आम जन के सहयोग से निकलता था। प्राचीन शिक्षा में ज्ञान मौखिक रूप में अधिक प्रचलित था। श्रुति परंपरा के साथ शिष्य ज्ञान का श्रवण करते थे। उस पर चिंतन और मनन करते थे। व्यावहारिक जीवन के लिए 18 विद्याएं और 64 कलाएं थी। इनका ज्ञान विधार्थी पाते थे।

उन्होंने कहा कि गुरुकुल में समग्र ज्ञान दिया जाता था। शिक्षा कौशल से जुड़ी थी। उन्होंने रणकपुर के जैन मंदिरों का उदाहरण देते हुए कहा कि शिल्प में यह इसीलिए अद्वितीय है कि इसका निर्माण कला कौशल से हुआ था।

राज्यपाल ने कहा कि लार्ड मैकाले ने इसीलिए भारत की शिक्षा पद्धति बदली कि यहां तब नैतिकता प्रबल थी। समृद्ध विरासत थी। अंग्रेजों ने इसलिए यह तरकीब निकाली की देश की शिक्षा पद्धति यदि बदल दी जाती है तो लंबे समय तक देश को गुलाम बनाए रखा जा सकता है। इसके अंतर्गत देश के उद्योग धंधे बंद कर दिए गए। देश के निवासियों को भूखे मरने पर बाध्य किया गया।

पेपर लीक पर मोदी और राज्य सरकार पूरी तरह नाकाम : टीकाराम जूली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। देश और प्रदेश में नीट सहित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में हो रहे पेपर लीक और युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों को लेकर राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। जूली ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक विस्तृत पोस्ट साझा करते हुए सत्ताधारियों को आड़े हाथों लिया और उन्हें युवाओं के प्रति पूरी तरह 'नकारा और निकम्मी' करार दिया। गहलोत सरकार का कानून मोदी सरकार से 10 गुना मजबूत नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल के आंकड़े सामने रखते हुए लिखा, सबसे पहले तो मैं यह बता दूं कि पूर्ववर्ती वसुंधरा राजे (भाजपा) सरकार के समय 18 पेपर लीक हुए थे। पूरे हिंदुस्तान के अंदर अगर पेपर लीक पर सबसे मजबूत कानून किसी ने बनाया, तो वह राजस्थान की पूर्ववर्ती अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने बनाया था। यह कानून केंद्र की मोदी सरकार के कानून से 10 गुना ज्यादा मजबूत है।

हमारे समय के तो इन्हें 17 पेपर लीक याद हैं, लेकिन आज इनके शासन में देश-प्रदेश में 90 से अधिक पेपर लीक हो चुके हैं, सरकार इसका जवाब दे। कल ही महाराष्ट्र में टीईटी (ढएढ) का पेपर लीक हुआ है और मध्य प्रदेश के व्यापम घोटाले पर आज तक कोई जवाब नहीं आया है। टीकाराम जूली ने नीट परीक्षा धांधली को लेकर सरकार की नीयत पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार द्वारा बनाया गया पेपर लीक विरोधी कानून इतना मजबूत था कि उसकी वजह से नीट फर्जीवाड़े का मुकदमा यहां 9 दिनों तक दर्ज नहीं हो सका। यही कारण है कि इस पूरे मामले को आनन-फानन में सीबीआई को सौंप दिया गया, ताकि भारत सरकार भाजपा से जुड़े दोषियों को बचा सके। पेपर लीक और मानसिक तनाव के कारण अब तक 22 मासूम बच्चों की जान जा चुकी है, लेकिन केंद्र के शिक्षा मंत्री के पास इन परिवारों के आंसू पोंछने के लिए एक शब्द नहीं है। क्या देश के शिक्षा मंत्री का दायित्व नहीं बनता कि वे तुरंत अपने पद से इस्तीफा दें? युवाओं की आवाज दबाने का प्रयास: आज की युवा पीढ़ी जिस प्रकार मुखर होकर अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा रही है, सरकार उसे सुनना नहीं चाहती बल्कि छात्रों की आवाज को दबाना चाहती है।

राममंदिर चंदा चोरी के आरोपी कानूनी कार्रवाई के साथ सामाजिक बहिष्कार का भी सामना कर रहे : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कहा कि राममंदिर के चंदे की कथित चोरी के मामले के आरोपी ना केवल कानूनी कार्रवाई का सामना कर रहे हैं, बल्कि उनका सामाजिक बहिष्कार भी हो रहा है, जो हिंदू समाज की भावनाओं को दर्शाता है।

सत्तारूढ़ दल भाजपा ने फैजाबाद बार एसोसिएशन के एक प्रस्ताव का हवाला भी दिया, जिसमें कहा है कि उसके कोई भी सदस्य राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी मामले में गिरफ्तार आठ आरोपियों की ओर से अदालत में पैरवी नहीं करेंगे। साथ ही चेतावनी दी गई है कि इस निर्णय का उल्लंघन करने वाले किसी भी वकील पर पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। भाजपा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह बिल्कुल साफ कर दिया है कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सज़ा दी जाएगी और न्याय सुनिश्चित किया जाएगा। मामला कानून के अनुसार आगे बढ़ेगा। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि यह निर्णय हिंदू समाज की भावनाओं का प्रतिबिंब है

और यह स्पष्ट संदेश देता है कि आस्था के साथ विश्वासघात करने वालों या ऐसे विश्वासघात का बचाव करने वालों को समाज का आशीर्वाद कभी नहीं मिलेगा। उन्होंने बार एसोसिएशन के निर्णय पर पोस्ट में कहा, ''यह हिंदू समाज का एक सशक्त संदेश है। अयोध्या में लूट के आरोपी ना केवल कानून की कठोर कार्रवाई का सामना कर रहे हैं, बल्कि उनका सामाजिक बहिष्कार भी किया जा रहा है।''

भंडारी ने आरोप लगाया कि विपक्षी दल ''तुष्टीकरण की राजनीति'' के कारण ''वोट बैंक'' की खातिर बार-बार आरोपियों के साथ खड़े होते रहे हैं। उन्होंने दावा किया, ''समाजवादी पार्टी ने अयोध्या और वाराणसी विस्फोट मामलों के आरोपियों का समर्थन किया। कपिल सिब्बल जैसे वकीलों ने भी नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और दिल्ली दंगों जैसे चर्चित मामलों में आरोपियों का पक्ष रखा है।'' उन्होंने कहा, ''अंतर स्पष्ट है: हिंदू सभ्यता सदियों से इसलिए कायम है क्योंकि उसने मुगल आक्रमणकारियों, कांग्रेस तंत्र और इसे कमजोर करने की वोट बैंक की राजनीति के बार-बार के प्रयासों के बावजूद धर्म को व्यक्तियों से ऊपर रखा है।'' भाजपा के एक अन्य राष्ट्रीय प्रवक्ता तुहिन सिन्हा ने कहा कि पार्टी फैजाबाद बार एसोसिएशन के निर्णय के पीछे की ''भावनाओं और आक्रोश'' को समझती है, लेकिन यह मामला अंततः कानून के अनुसार ही सख्ती से निपटाया जाएगा।

गांवों में जाकर पेयजल योजनाओं की हकीकत परखेंगे जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह नल से जल आपूर्ति योजनाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लेने के लिए स्वयं गांवों का दौरा करेंगे। एक आधिकारिक बयान में सोमवार को यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, जल शक्ति मंत्री 15 से 25 जुलाई तक चलाए जाने वाले विशेष अभियान के तहत एक दर्जन से अधिक जिलों के गांवों का दौरा करेंगे। दौरे के दौरान वह पेयजल आपूर्ति व्यवस्था और पानी की गुणवत्ता का निरीक्षण करेंगे तथा ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव जानेंगे।

अभियान के दौरान विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उनके साथ रहेंगे और गांवों में रात्रि प्रवास करेंगे। इससे ग्रामीणों से सीधे संवाद स्थापित करने और योजनाओं के वास्तविक क्रियान्वयन का निष्पक्ष आकलन करने में मदद मिलेगी।

ग्रामीण पेयजल आपूर्ति व्यवस्था के संचालन, रखरखाव और संरक्षण में जनभागीदारी बढ़ाने के लिए गांवों में 'जल अर्पण' कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

जल शक्ति मंत्री 15 और 16 जुलाई को ललितपुर, झांसी और जालौन के गांवों में औचक निरीक्षण करेंगे। इसके बाद वह 18 और 19 जुलाई को सुल्तानपुर, जौनपुर, मिर्जापुर और सोनभद्र के ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर पेयजल आपूर्ति योजनाओं की समीक्षा करेंगे। प्रत्येक स्थान पर वह ग्रामीणों से सीधे प्रतिक्रिया लेकर योजनाओं की प्रभावशीलता का आकलन करेंगे।

कासगंज में प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त, महिला प्रशिक्षु पायलट घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एटा/कासगंज/भाषा। उत्तर प्रदेश के कासगंज में सोमवार को दो सीट वाला एक प्रशिक्षण विमान एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हादसे में एक महिला प्रशिक्षु पायलट घायल हो गई।

पुलिस के अनुसार, अलीगढ़ हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाला यह विमान कासगंज जिला मुख्यालय क्षेत्र में पुलिस लाइंस के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पुलिस ने बताया कि जमीन पर गिरने से पहले विमान एक हाई-टेंशन तार से टकरा गया था। पुलिस अधीक्षक ओ.पी. सिंह ने बताया कि विमान क्षेत्र के ऊपर उड़ान भर रहा था कि तभी अचानक उसकी ऊंचाई कम होने लगी और वह पास के एक खेत में जा गिरा। उन्होंने बताया, ''नीचे आते समय विमान हाई-टेंशन तार से टकरा गया, जिससे तार टूट गए और विमान को भी काफी नुकसान पहुंचा।'' पुलिस के मुताबिक, घायल प्रशिक्षु पायलट की पहचान महाराष्ट्र निवासी कायनात के रूप में हुई है और उसे तत्काल एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार, उसकी हालत स्थिर है।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी बचाव दलों के साथ मौके पर पहुंचे और एहतियात के तौर पर दुर्घटनास्थल की घेराबंदी कर दी गई। बिजली विभाग तथा अन्य संबंधित एजेंसियों के अधिकारी भी क्षतिग्रस्त बिजली लाइन की मरम्मत और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए मौके पर पहुंचे। हाई-टेंशन तार टूटने के बाद आसपास के क्षेत्र में अतिरिक्त सतर्कता बरती गई। जांच में सहायता के लिए अलीगढ़ से भी एक टीम कासगंज पहुंची है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले अचानक तेजी से नीचे आया था। अधिकारियों ने बताया कि हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है लेकिन तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है।

भाजपा नेता मेनका गांधी के खिलाफ शिकायत, प्राथमिकी दर्ज करने की मांग

मेरठ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मेरठ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी के खिलाफ जैन धर्मावलंबियों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने और उनके धर्म के प्रति हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दी गई। विश्व श्रमण संस्कृति श्रीसंघ के राष्ट्रीय संयोजक अक्षय जैन अरिहंत ने सोमवार को यहां गंगानगर थाने में शिकायत देकर मेनका गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। पुलिस के अनुसार, शिकायत में आरोप लगाया गया कि 17 जून को नई दिल्ली स्थित श्री दिगंबर जैन लाल मंदिर में मेनका गांधी ने आचार्य 108 श्री सौरभ सागर महाराज द्वारा मयूर पंख (पिच्छी) के उपयोग पर आपत्ति जताई और कथित तौर पर कहा कि जैन मुनियों के कारण हर वर्ष बड़ी संख्या में मोरों की मौत होती है। शिकायत में अरिहंत ने मेनका गांधी पर जैन मुनियों और जैन धर्म के प्रति हिंसा को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मेनका गांधी के इस कथित बयान से जैन समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

मिजोरम मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल की जरूरत नहीं : मुख्यमंत्री लालदुहोमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आइजोल/भाषा। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल की संभावना से इनकार करते हुए सोमवार को कहा कि उनके मंत्री अब अपने-अपने विभागों में पूरी तरह से स्थापित हो चुके हैं और व्यापक बदलाव की फिलहाल कोई आवश्यकता नहीं है। लालदुहोमा ने जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार के पांच वर्षीय कार्यकाल का आधा समय पूरा होने के साथ ही मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल की अटकलें लगाई जा रही थीं।

उन्होंने कहा, ''कई लोगों को इस समय बड़े फेरबदल की उम्मीद थी, लेकिन हमारे मंत्री कड़ी मेहनत कर रहे हैं और अब जाकर अपने-अपने विभागों में पूरी तरह स्थापित हुए हैं। इसलिए हमें बड़े फेरबदल की जरूरत नहीं दिखती।'' मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब कुछ दिन

पहले उन्होंने मंत्री के. सपदांगा से कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग अपने पास ले लिया था। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच मतभेद की अटकलें लगाई जाने लगी थीं।

लालदुहोमा ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय पहले ही जेडपीएम की राजनीतिक मामलों की समिति की सिफारिश के आधार पर लिया गया था और इसका किसी भी प्रकार के आंतरिक मतभेद से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए अब तक लगभग 10 छोटे प्रशासनिक बदलाव कर चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर ऐसे बदलाव आगे भी किए जाते रहेंगे। जेडपीएम को 'जन आंदोलन' बताते हुए लालदुहोमा ने कहा कि सरकार को हमेशा जनता को शासन का केंद्रबिंदु बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने इस सरकार के गठन के लिए अथक मेहनत की, लेकिन हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि जनता ने हम पर भरोसा किया, हमारे लिए प्रार्थना की और हमें जनादेश दिया।'' उन्होंने कहा कि नागरिकों का हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं से सरकार के कामकाज का आकलन व्यक्तिगत अपेक्षाओं के बजाय उसकी नीतियों और सुशासन के आधार पर करने का आग्रह किया। लालदुहोमा ने कहा कि कार्यकाल का आधा हिस्सा पूरा होने के बावजूद भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने, संस्थागत सुधार और सुशासन को मजबूत करने के क्षेत्र में सरकार के सामने अब भी काफी काम बाकी है। लालदुहोमा ने बताया कि सरकार ने 'विकसित भारत' के रोडमैप के अनुरूप 'विकसित मिजोरम 2047' दृष्टि दस्तावेज तैयार किया है।

खनिज निकालने के लिए झारखंड को चारागाह की तरह समझा गया : सोरेन

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को आरोप लगाया कि राज्य से खनिज संसाधन निकालने और देश व दुनिया की अर्थव्यवस्था में योगदान देने के लिए इसे चारागाह की तरह समझा गया, लेकिन यहां के लोग अपने पैरों पर कैसे खड़े हों, इसकी बहुत चिंता नहीं की गई। सोरेन ने यह टिप्पणी यहां एक कार्यक्रम के दौरान नवनियुक्त 1,042 शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए की। उन्होंने कहा, समाज को दिशा दिखाने और बेहतर माहौल तैयार करने में शिक्षकों की अहम भूमिका होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के जो भी अग्रणी राज्य हैं, वे सभी शिक्षा के क्षेत्र में आगे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, हम भी इस क्षेत्र में आगे बढ़ सकते थे, लेकिन दुर्भाग्य से खनिज संसाधन निकालने और देश-दुनिया की अर्थव्यवस्था में योगदान देने के लिए इस राज्य को सिर्फ एक चारागाह माना गया। इस बात की चिंता बहुत कम रही कि यहां के लोग अपने पैरों पर कैसे खड़े हो सकते हैं। सरकार राज्य में शिक्षा व्यवस्था को गति देने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। सोरेन ने कहा, अब झारखंड के युवा न केवल देश के सर्वश्रेष्ठ कॉलेजों में, बल्कि विदेशों में भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। हम एक ज्ञानवर्धक समाज और शिक्षित भावी पीढ़ी का निर्माण करना चाहते हैं।

केएमसी मंदिरों में उपयोग हो चुके फूलों से बनाएगा प्राकृतिक रंग व अगरबत्ती : अधिकारी

कोलकाता/भाषा। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) पश्चिम बंगाल नगर विकास विभाग के तकनीकी और अवसंरचना सहयोग से शहर भर के मंदिरों में पूजा में उपयोग किए जा चुके फूल-मालाओं से प्राकृतिक रंग तथा अगरबत्ती बनाने की एक परियोजना शुरू करेगा। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य फूलों के कचरे से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण को कम करना और साथ ही आजीविका के अवसर पैदा करना है। राज्य नगर विकास विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, मंदिरों में इस्तेमाल होने वाले फूलों और मालाओं को आमतौर पर पूजा के बाद फेंक दिया जाता है। इसके बजाय, अब इन्हें इकट्ठा किया जाएगा और इनसे पर्यावरण अनुकूल अगरबत्ती तथा प्राकृतिक 'अबीर' (गुलाल) बनाया जाएगा। इस परियोजना से शुरुआती चरण में कम से कम 15 महिलाओं को रोजगार मिलने की उम्मीद है।

भाजपा की 'नजर नेशन पर नहीं डोनेशन' पर: अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की ''नजर नेशन पर नहीं, डोनेशन पर'' (देश पर नहीं दान पर) रहती है। उन्होंने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने और जनता के विश्वास को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया।

पार्टी की ओर से जारी बयान के अनुसार, यादव ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी और प्रसाद की कथित चोरी को लेकर आरोप लगाया कि यह भक्तों की आस्था के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा, ''इस सरकार में चौतरफा लूट है। भाजपा के शब्दकोष में न धर्म है और न शर्म। अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी आस्था के साथ खिलवाड़ है।'' यादव ने दावा किया कि अयोध्या के लोग कह रहे हैं कि चढ़ावे में कथित गड़बड़ी के तार कर्नाटक से जुड़े हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां ''गैर-पंजीकृत और भूमिगत'' लोग चुनाव के दौरान मतदाताओं को प्रभावित करने और चुनावी गतिविधियों में शामिल रहते हैं।

यादव ने कहा, ''भाजपा का ध्यान देश से ज्यादा दान पर है।'' उन्होंने चढ़ावे में कथित गड़बड़ी के मामले का उल्लेख करते हुए कहा, ''चोर-चोर सौतेले भाई, जिन्होंने चुराई भगवान राम की पाई।'' सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि मामले में केवल ''छोटी मछलियां'' पकड़ी जा रही हैं, जबकि ''बड़ी मछलियों'' को बचाया जा रहा है। उन्होंने स्वयं को ''सच्चा सनातनी'' मानने वाले लोगों से भाजपा को वोट नहीं देने और पार्टी से चुनाव टिकट नहीं मांगने की अपील करते हुए कहा कि भाजपा ने ''भगवान राम को धोखा दिया है।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया, ''भाजपा सीसीटीवी से डरती है, क्योंकि लोग अब 'सीसी' का मतलब समझ चुके हैं, चढ़ावा चोरी और चंदा चोरी।'' यादव ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि हाल में लखनऊ में कोचिंग सेंटर में आग लगने जैसी घटनाएं भ्रष्टाचार और सुरक्षा मानकों की अनदेखी का परिणाम हैं, जिनमें विद्यार्थियों और नौकरी के अभ्यर्थियों की जान गई।

विपक्षी दल समाज व देश के लिए अपना जीवन समर्पित करने वालों पर आरोप लगा रहे : दयाशंकर सिंह

बलिया/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में दान में कथित गबन के मामले को लेकर विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए सोमवार को कहा कि भगवान राम के अस्तित्व को नहीं मानने वाले लोग उन व्यक्तियों पर आरोप लगा रहे हैं, जिन्होंने अपना जीवन समाज और देश के लिए समर्पित कर दिया है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को नसीहत देते हुए कहा कि वह इटावा के मंदिर की तुलना राम मंदिर से न करें।

सिंह ने सोमवार को बलिया जिले के रसड़ा क्षेत्र के नागपुर गांव में 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में विपक्षी दलों पर प्रहार करते हुए कहा, ''ये वे लोग हैं, जो राम को नहीं मानते हैं। कुछ ऐसे भी हैं, जो राम के अस्तित्व को नहीं मानते। आज तक राम जी के दर्शन करने नहीं गए।'' उन्होंने कहा, ''विरोध करने वाले लोग कभी राम मंदिर में गए हैं क्या? क्या उन्होंने राम मंदिर के निर्माण में कोई सहयोग किया है?'' दयाशंकर सिंह ने कहा, ''जिस स्तर पर गड़बड़ी हुई है, उसकी जांच की जा रही है।''

ओबीसी आरक्षण में संशोधन से जुड़े दो विधेयक पश्चिम बंगाल विधानसभा में पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा ने राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत समुदायों के आरक्षण से जुड़े तृणमूल कांग्रेस सरकार के 2012 के अधिनियम में संशोधन करने वाले दो विधेयक सोमवार को पारित कर दिए।

पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अलावा) (सेवाओं और पदों में रिक्तियों का आरक्षण) (संशोधन) विधेयक, 2026 और पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग आयोग (संशोधन) विधेयक, 2026 के तहत कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप आरक्षण ढांचे को 17 फीसदी से घटाकर सात प्रतिशत करते हुए 66 समुदायों को ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण प्रदान किया गया है।

ये विधेयक विपक्ष के नेता रीताब्रता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस के कुछ बागी विधायकों के सदन से बहिर्गमन करने के बीच पारित किए गए। कुल 186 विधायकों ने दोनों विधेयक के पक्ष में मतदान किया, जबकि 17 ने इनके विरोध में वोट दिया। छह सदस्यों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। विधानसभा अध्यक्ष रथींद्र बोस ने इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के विधायक नौशाद सिद्दीकी के अनुरोध पर मत विभाजन का आदेश दिया।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने 'ऑप अरुणोदय' ट्रेकिंग अभियान को हरी झंडी दिखाई

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने सोमवार को तवांग जिले में ऐतिहासिक जसवंतगढ़ युद्ध स्मारक से संयुक्त सैन्य-नागरिक ट्रेकिंग अभियान 'ऑप अरुणोदय' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह जानकारी एक रक्षा प्रवक्ता ने दी।

यह पहल भारतीय सेना की गजराज कोर और 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड एडवेंचर स्पोर्ट्स' (निमास) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की जा रही है। इसका उद्देश्य थिंगबू और बजरंग चोटी (प्वाइंट 5583) के बीच एक नए ट्रेकिंग मार्ग का विकास और उद्घाटन करना है। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) लेफ्टिनेंट कर्नल अतुल श्रीधरन ने कहा कि अपनी तरह की यह पहली पहल

साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने, सैन्य-नागरिक सहयोग को मजबूत करने और सीमावर्ती क्षेत्रों के स्थानीय समुदायों के लिए आजीविका के स्थायी अवसर पैदा करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। टीम को रवाना करने से पहले जसवंतगढ़ युद्ध स्मारक में एक श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया, जहां कर्तव्य पालन के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

ओडिशा ने सहकारी खाद वितरण को बढ़ावा देने के लिए 42 करोड़ रु. की ब्याज सब्सिडी योजना शुरू की

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने सहकारी समितियों के माध्यम से खाद वितरण को मजबूत करने के उद्देश्य से 42 करोड़ रुपए की ब्याज सब्सिडी योजना को मंजूरी दी है। एक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, यह निर्णय सहकारिता विभाग के सचिव की अध्यक्षता वाली वित्त पर स्थायी समिति (एसएफसी) की सिफारिश पर लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस योजना के तहत सरकार खरीफ सत्र से खाद वितरण में सहकारी क्षेत्र की हिस्सेदारी को मौजूदा के 25-30 प्रतिशत से बढ़ाकर 60% करने की योजना बना रही है। इस कदम से निजी व्यापार चैनल के माध्यम से खाद की अवैध अन्यत्र किसी स्थान या उपयोग के लिए बिक्री (डायवर्जन) में कमी आने की उम्मीद है।

बिहार: निविदा घोटाले को लेकर तेजस्वी ने किए 20 सवाल, निष्पक्ष जांच और जवाबदेही की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में ठेकेदार रिशु श्री से जुड़ा कथित निविदा (टेंडर)घोटाला एक बार फिर राजनीतिक चर्चा के केंद्र में है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सोमवार को इस मामले को लेकर राज्य की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि हजारों करोड़ रुपए के कथित निविदा घोटाले में अब तक कई महत्वपूर्ण सवालों के जवाब नहीं मिले हैं। तेजस्वी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में दावा किया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), विशेष निगरानी इकाई (एसवीयू) और अन्य एजेंसियों की जांच में सामने आए तथ्यों के बाद सरकार को पूरे मामले पर सार्वजनिक रूप से स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने कुल 20 सवालों के जरिए सरकार की कार्यप्रणाली, जांच की दिशा और प्रशासनिक जवाबदेही पर प्रश्न उठाए। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि एक सामान्य ठेकेदार बताए जा रहे रिशु श्री ने कई विभागों की निविदा प्रक्रिया को

इतना कैसे प्रभावित किया। उन्होंने पूछा कि यदि यह सब वर्षों तक चलता रहा तो निगरानी तंत्र, वित्तीय ऑडिट और प्रशासनिक व्यवस्था क्या कर रही थी।

उनके अनुसार यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि कहीं अधिकारियों ने निजी लाभ के लिए पूरे तंत्र की अनदेखी तो नहीं की। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी अध्यक्ष ने ईडी जांच का हवाला देते हुए दावा किया कि जांच में सामने आए चैट भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के कई वरिष्ठ अधिकारियों के प्रभावशाली नेटवर्क की ओर संकेत करते हैं। उन्होंने सवाल किया कि रिशु श्री को किस स्तर का संरक्षण प्राप्त था और वह अधिकारियों को किसके भरोसे निर्देश देता था। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपपत्र में कई प्रभावशाली लोगों के नाम शामिल नहीं किए गए हैं, जिससे जांच को लेकर राजनीतिक दबाव की आशंका पैदा होती है। तेजस्वी ने दो आईएएस अधिकारियों के निलंबन का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है तो आरोपपत्र में उनके नाम क्यों नहीं हैं और उनकी गिरफ्तारी अब तक क्यों नहीं हुई। उन्होंने यह भी पूछा कि यदि सरकार के पास सरकारी धन के दुरुपयोग से जुड़ी जानकारी है तो उसे अब तक सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जांच में यह बात सामने आई है कि निविदा प्रक्रिया पहले से तय होती थी और पात्रता की शर्तें भी उसी के अनुरूप बदली जाती थीं।

विकसित भारत जी राम जी योजना देश के संघीय ढांचे पर प्रहार: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की प्रस्तावित विकसित भारत जी राम जी योजना, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की तरह मांग-आधारित योजना नहीं बल्कि आवंटन-आधारित होगी, जो देश के संघीय ढांचे को कमजोर करने वाली है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट कर यह दावा भी किया कि मनरेगा केंद्र सरकार की ओर से दी गई मांग-आधारित और अधिकार-आधारित गारंटी

थी, जबकि प्रस्तावित जी राम जी योजना आवंटन-आधारित योजना होगी। उन्होंने कहा, ''इस योजना के तहत 60 प्रतिशत व्यय केंद्र सरकार वहन करेगी, जबकि शेष 40 प्रतिशत खर्च राज्यों को उठाना होगा।'' रमेश ने आरोप लगाया कि इस योजना के लिए जिस मानक आवंटन फार्मूले को अपनाया जा रहा है, वही फार्मूला 16वें वित्त आयोग ने राज्यों के बीच करों के एकल विभाज्य पूल के वितरण के लिए अपनाया था।

कांग्रेस नेता ने कहा कि वित्त आयोग का यह सूत्र राजस्व के वितरण के लिए है, व्यय के वहन के लिए नहीं। उन्होंने दावा किया कि व्यय वहन करने की भूमिका अनुदानों की होती है, जिनमें से अधिकांश को 16वें वित्त आयोग ने समाप्त कर दिया है।

रमेश ने आरोप लगाया कि ''दक्षता-आधारित सूत्र के माध्यम से समानता सुनिश्चित करने का यह प्रयास हमारे पहले से ही नाजुक संघीय ढांचे पर एक और प्रहार है।''

सुविचार

गिरे बिना कोई चलना नहीं सीखता, इसलिए गिरने से मत डरो, उठकर दोबारा दौड़ने की हिम्मत रखो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सिया-केतन मामले से सबक

पुणे के सिया-केतन मामले में हो रहे खुलासों से हर कोई हैरान है। पहले, जो कहानियां फिल्मों और धारावाहिकों आदि में देखने-सुनने को मिलती थीं, अब वे समाज की कड़वी हकीकत बनती जा रही हैं। ऐसे गंभीर अपराधों में युवाओं का शामिल होना चिंताजनक है। सिया-केतन मामले से समाज को कुछ सबक भी लेने होंगे। जब अपने बच्चों के रिश्ते करें तो उनके साथ खुलकर बात करें। रिश्ता स्वीकार करने के लिए किसी तरह का दबाव न डालें। 'ना' कहने को सामाजिक स्वीकृति मिलनी चाहिए। अगर कोई युवक या युवती उस रिश्ते से खुश नहीं है तो उसके पास अलग होने का विकल्प होना चाहिए। रिश्ते में छल और हिंसा के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। ऐसी नौबत ही नहीं आनी चाहिए। आजकल रिश्ता करते समय रूप-सौंदर्य और धन-दौलत को ज्यादा प्राथमिकता दी जा रही है। चरित्र, गुण, स्वभाव और अन्य बिंदुओं की उपेक्षा की जा रही है। बाद में, जब उनकी ओर ध्यान जाता है तो जीवन में क्लेश मचता है। इसलिए संबंधित व्यक्ति के गुण-अवगुण का जरूर पता लगाएं। उसके परिवार के बारे में भी पड़ताल करें। कई लोग बात पक्की करते समय बहुत अच्छा बर्ताव करते हैं, खूब मीठा बोलते हैं। वे बाद में अपना असली रंग दिखाते हैं। ऐसे लोगों से सावधान रहें। जो व्यक्ति या परिवार बार-बार झूठ बोले, अपने धन और शक्ति की डींगें हांके, अपनी ऊंची पहुंच का बखान करे, हर बात में अपनी मर्जी चलाए, उससे दूर रहने में ही आपका कल्याण है। ऐसा व्यक्ति या परिवार भविष्य में कष्टों का कारण बन सकता है। लोग शादियों में लाखों-करोड़ों रुपए खर्च करते हैं। वे भव्य टेंट लगाते हैं। कई प्रकार के पकवान पेश करते हैं। इससे कुछ समय के लिए खुशी तो मिल सकती है, लेकिन भविष्य में खुशी की कोई गारंटी नहीं है। कई परिवारों के पैरों तले उस समय जमीन खिसक जाती है, जब उन्हें पता चलता है कि शादी से पहले जो कुछ बताया गया था, वह झूठ था।

ऐसे धोखेबाजों से बचने के लिए प्राइवेट डिटेक्टिव एजेंसियों की मदद लेने का चलन बढ़ता जा रहा है। उनकी कार्यशैली से सहमत या असहमत हो सकते हैं, लेकिन यह हकीकत है कि उनकी वजह से कई लोग गलत रिश्ते में फंसने से बचे हैं।

ऐसे धोखेबाजों से बचने के लिए प्राइवेट डिटेक्टिव एजेंसियों की मदद लेने का चलन बढ़ता जा रहा है। उनकी कार्यशैली से सहमत या असहमत हो सकते हैं, लेकिन यह हकीकत है कि उनकी वजह से कई लोग गलत रिश्ते में फंसने से बचे हैं। एआई के दौर में सोशल मीडिया पर अच्छी बातें लिखने वालों की बाढ़-सी आ गई है। जिन्होंने पहले कभी एक पृष्ठ अपने मन से नहीं लिखा था, आज वे धड़ाधड़ पोस्ट डाल रहे हैं, क्योंकि पूरा काम एआई से हो रहा है। सिर्फ अच्छी सोशल मीडिया पोस्ट देखकर किसी के बारे में राय न बनाएं। जब किसी कारणवश रिश्ता टूट जाता है तो दु:ख होता है। यह स्वाभाविक है। याद रखें, रिश्ता टूटना भविष्य में हिंसा, प्रतिशोध और धोखे से कहीं बेहतर है। कई लोग शादी के लिए ग़ैर-ज़रूरी दबाव बनाते हैं। उनके पास सबसे बड़ा काम यही होता है कि जहां कोई अविवाहित युवक या युवती मिल जाए, उस पर सवाल दाग देते हैं- 'हां तो बेटा, शादी कब कर रहे हो?' जब एक ही सवाल बार-बार पूछा जाता है तो उससे झुंझलाहट पैदा होती है। कई बार ऐसे सवाल टकराव का रूप ले लेते हैं। किसी से एक ही सवाल बार-बार पूछकर उसे असहज करना ठीक नहीं है। शादी के मामले में युवक-युवती पर दबाव डालने से चीजें बिगड़ गईं तो जिम्मेदारी कौन लेगा? यह बात ध्यान में रखें। कुछ लोगों को खतरनाक जगहों पर घूमना बहुत पसंद होता है। वे पहाड़ों की ऊंचाइयों से लेकर समुद्र की गहराइयों तक को नापने का शौक रखते हैं। ऐसी जगहों के साथ कुछ जोखिम जुड़े होते हैं। अगर शादी से पहले या उसके तुरंत बाद वहां न जाएं तो बेहतर है।

ट्वीटर टॉक

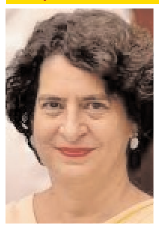

मल्लिकार्जुन खरगे लगभग 50 सालों से देश की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने एक आम कार्यकर्ता के तौर पर अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की और आज पार्टी के सबसे ऊंचे पद की ज़िम्मेदारी निभाते हुए, वे अपना अमूल्य योगदान दे रहे हैं।

-प्रिंयका गांधी वाड्रा

भारत सरकार के कानून और न्याय मंत्रालय के लेजिस्लेटिव डिपार्टमेंट द्वारा चलाए जा रहे नोटरी पोर्टल के फ्रेश एप्लीकेशन मॉड्यूल का उद्घाटन नई दिल्ली के कर्तव्य भवन-2 में हुआ। यह पहल नोटरी सेवाओं को ज़्यादा ट्रांसपेरेंट बनाने की दिशा में एक ज़रूरी कदम है।

-अर्जुनराम मेघवाल

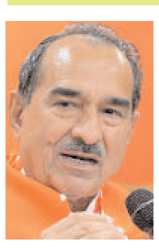

जयपुर के आमेर इलाके में बन रही दीवार गिरने से हुई मौतों की खबर बहुत दिल दहला देने वाली और दुख देने वाली है।ङ्कङ्कमैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्माओं को अपने पवित्र चरणों में जगह दें और दुखी परिवारों को यह बहुत बड़ा दुख सहने की शक्ति दें।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

मृत्यु का सत्य

युद्ध के मैदान में सभी सैनिक अपना कौशल दिखा रहे थे। सम्राट नौशेरवां युद्ध शिविर में अपने मंत्रियों व सलाहकारों से आगे की रणनीति के बारे में विचार-विमर्श कर रहे थे। तभी शोरगुल सुनकर सम्राट बाहर आए तो देखा, उनका गुप्तचर वहां खड़ा है। उसने उत्साह में भरकर सुखद समाचार सुनाते हुए कहा, 'बादशाह सलामत, आपके लिए खुशखबरी लाया हूं। आपका शत्रु युद्ध के मैदान में हमारी सेना से संघर्ष करते हुए मारा गया। हम विजयी हुए।' यह सुनकर सम्राट निर्विकार भाव से बोले, 'भाई, इसमें ख़ुशख़बरी जैसी कोई बात नहीं है, जो इस जगत में आया है वह एक दिन अवश्य ही जाएगा भी। अगर तुम मुझे यह खबर सुनाते कि मैं अमर हो गया हूं और मेरे वंशज भी अमर रहेंगे, तो शायद यह खबर मेरे लिए अवश्य ही अच्छी खबर होती। याद रखो, मृत्यु तो अटल सत्य है। आज वो गए हैं कल हमारी बारी है। इसलिए इस सत्य में अच्छी या बुरी खबर जैसी कोई भावना नहीं जोड़नी चाहिए।

सामयिक

कई अनसुलझे सवाल छोड़ जाएगा ईरान युद्ध

मनीष कुमार चौधरी
फोन- 9829453147

अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य ऑपरेशन शुरू करने के तीन महीने से ज्यादा समय बाद युद्ध विराम की कोशिशें जारी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक ऐसे अध्याय को बंद करने की तैयारी कर रहे हैं जिसने वैश्विक ऊर्जा बाजार को हिलाकर रख दिया और संघर्ष के कई शुरुआती लक्ष्य आंशिक रूप से ही हल हुए हैं। हालांकि युद्ध समाप्ति के प्रयासों पर ट्रंप का बड़बोलापन हावी है और वे गाहे-बगाहे ऐसे बयान दे रहे हैं, जिससे जंग खत्म होने की सदाशयता में संशय उपज रहा है। जब 28 फरवरी को यह अभियान शुरू हुआ, तो ट्रंप प्रशासन ने लक्ष्यों की एक महत्वाकांक्षी सूची पेश की थी। लेकिन क्या इस युद्ध से मिसाइल, परमाणु महत्वाकांक्षाओं, क्षेत्रीय प्रॉक्सी और सत्ता परिवर्तन से जुड़े लक्ष्य हासिल हुए? ट्रंप प्रशासन युद्ध का उद्देश्य बार-बार बदलता रहा, लेकिन अब तक घोषित लक्ष्यों में से एक भी पूरा नहीं हुआ। शुरुआत में ट्रंप ने कहा था कि युद्ध का उद्देश्य ईरान के मिसाइल कार्यक्रम को खत्म करना है। बाद में इसे ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने और फिर सत्ता परिवर्तन से जोड़ दिया गया। अब तक इनमें से कोई भी लक्ष्य हासिल नहीं हुआ है। युद्ध की कीमत लगातार बढ़ती गई, लेकिन ट्रंप प्रशासन यह नहीं बता पाया कि इससे अमेरिका पहले से ज्यादा सुरक्षित कैसे हुआ। संघर्ष के दौरान कई मौकों पर, ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि दुश्मनी को असल में खत्म करने से पहले ईरान के अंदर राजनीतिक बदलाव जरूरी होगा। लेकिन कई किंतु-परंतु, अगर-मगर लिए बड़ा सवाल फिजा में अब भी तैर रहा है कि महीनों की लड़ाई के बाद अमेरिका या कहें कि ट्रंप ने असल में क्या हासिल किया?

ट्रंप प्रशासन द्वारा बताए गए सबसे स्पष्ट नतीजों में से एक ईरान की मिसाइल और ड्रोन क्षमताओं का कमजोर होना है। युद्ध शुरू होने से पहले ईरान के पास पश्चिम एशिया में सबसे बड़ा बैलिस्टिक मिसाइल जखीरा माना जाता था। अनुमानों के अनुसार अलग-अलग प्रकार और रेंज की 2,500 से 6,000 मिसाइलें थीं। कुछ सिस्टम ईरानी लॉन्च साइटों से इजराइली क्षेत्र तक पहुंचने में भी सक्षम थे। ईरान लंबी दूरी के मानव रहित हवाई सिस्टम (ड्रोन) के दुनिया के प्रमुख उत्पादकों में से एक के रूप में भी उभरा था। युद्ध के मैदान के शुरुआती आकलन को देखें तो पता चलता है कि अमेरिकी और इजराइली हमलों का काफी असर हो रहा था। लड़ाई शुरू होने के लगभग एक महीने बाद अमेरिकी सूत्रों ने संकेत दिया कि ईरान के मिसाइल जखीरे का लगभग एक-तिहाई हिस्सा पूरी तरह नष्ट हो गया था। माना जाता है कि एक-तिहाई हिस्सा और भी नुकसानग्रस्त हो गया, मलबे के नीचे दब गया या किसी तरह इस्तेमाल के लायक नहीं रहा। संघर्ष के दौरान अमेरिकी सेना और उनके सहयोगियों ने 1,500 से ज्यादा मिसाइलों और 6,000 ड्रोनों को रोका। ये आंकड़े उन सबसे ठोस सैन्य नतीजों में से एक थे जिन्हें वाशिंगटन महीनों की लड़ाई के बाद दिखा सकता था। फिर भी, इस अभियान ने ईरान की लंबी दूरी तक हमला करने की क्षमता को खत्म नहीं किया। तेहरान के पास बचे हुए हथियारों की सही संख्या अभी भी अज्ञात है। जो बात पता है, वह यह है कि महीनों के सैन्य दबाव के बावजूद ईरान ने हमला करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन जारी रखा। मिसाइल अभियान से ईरान की क्षमताएं कम होती दिखीं, लेकिन वे पूरी तरह खत्म नहीं हुईं।

अमेरिका का यह भी कहना है कि इस संघर्ष ने ईरान के व्यापक सैन्य ढांचे को बुरी तरह नुकसान पहुंचाया। संघर्ष के दौरान ईरान के 161 नौसैनिक जहाज नष्ट कर दिए गए। ईरान के वायु-रक्षा बुनियादी ढांचे का लगभग 82 प्रतिशत हिस्सा बेकार कर दिया गया था। ईरान की वायु सेना पर इसका असर खास तौर पर उल्लेखनीय था। संघर्ष से पहले ईरानी विमान कथित तौर पर हर दिन 100 तक ऑपरेशनल सॉर्टी (उड़ानें) भर रहे थे। लेकिन जल्द ही वे मिशन प्रभावी रूप से बंद हो चुके थे, जिससे पता चलता है कि ईरान की पारंपरिक हवाई अभियान चलाने की क्षमता में भारी कमी आई। पूरे क्षेत्र में सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करने और अमेरिकी सेनाओं को धमकाने की ईरान की क्षमता काफी कम हो गई थी। फिर भी, संघर्ष ने उस सफलता की सीमाएं भी उजागर कीं। अपनी सेना को हुए नुकसान के बावजूद, ईरान दुनिया के सबसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्गों में से एक, यानी होर्मुज जलडमरूमध्य पर भारी प्रभाव डालने में कामयाब रहा। संघर्ष के अधिकांश समय के दौरान, तेहरान ने फारस की खाड़ी को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने वाले इस संकरे रास्ते से समुद्री यातायात को प्रभावी ढंग से बाधित किया। ईरान न सिर्फ अमेरिका को इस मुद्दे पर ब्लैकमेल करता रहा, दुनिया के जो भी देश अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए होर्मुज पर निर्भर थे, वे भी परेशान होते रहे। अब तो ईरान ने होर्मुज की चाबी लगभग अपने कब्जे में ही कर ली है और मौके-बेमौके वह होर्मुज को लेकर धौंसपट्टी दिखाने से बाज नहीं आ रहा। मजे की बात यह कि होर्मुज में रुकावट के लिए दुनिया के देश ईरान को कम, अमेरिका को ज्यादा दोषी ठहराते रहे। माइंस, ड्रोन, मिसाइल बोट और फास्ट अटैक क्राफ्ट का उपयोग करके, ईरान उस मार्ग से आवाजाही को प्रतिबंधित करने में सफल रहा जो वैश्विक तेल और प्राकृतिक गैस आपूर्ति के लगभग पांचवें हिस्से के परिवहन के लिए जिम्मेदार था। ईरान इस युद्ध से उस जलडमरूमध्य पर ऐसे प्रभाव के साथ उभरा जो उसके पास पहले नहीं था। एक तरह से इस युद्ध ने ईरान को तुरुप का इक्का' थमा दिया है।

पूरे युद्ध के दौरान ट्रंप ने न्यूक्लियर मुद्दे को ही मिलिट्री एक्शन की मुख्य वजह बताया। इस टकराव ने न्यूक्लियर स्थिति को असल में नहीं बदला है। दूसरे शब्दों में, भले ही सैन्य हमलों से कुछ खास ठिकानों को नुकसान पहुंचा हो या कामकाज में रुकावट आई हो, लेकिन ईरान की परमाणु क्षमताओं से जुड़े समय-सीमा में कोई बड़ा बदलाव नहीं दिखा है। वाशिंगटन और तेहरान द्वारा घोषित शुरुआती समझौते में कई अहम सवाल अनसुलझे रह गए हैं। सबसे संवेदनशील विषयों में से एक ईरान के पास मौजूद अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम के भंडार का भविष्य है। एक और अनसुलझा सवाल यह है कि क्या ईरान को नागरिक और शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए सीमित स्तर पर यूरेनियम संवर्धन का अधिकार बनाए रखना चाहिए। ये असहमति के मुद्दे युद्ध शुरू होने से पहले भी चर्चा में थे और आज भी अधरझूल में हैं। देखा जाए तो इस युद्ध से जुड़ा सबसे बड़ा राजनीतिक मकसद ईरान में नेतृत्व बदलना था। हालांकि ईरान ने अपने सर्वोच्च नेता को खो दिया और महीनों तक सैन्य दबाव का सामना किया, लेकिन देश की राजनीतिक व्यवस्था बनी रही। अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई अपने पिता के बाद सर्वोच्च नेता बने, जिससे क्रांतिकारी बदलाव के बजाय व्यवस्था बनी रही। सबसे बड़ी बात कि अमेरिका और इजरायल दोनों ही इस युद्ध की असली वजह दुनिया के सामने स्पष्ट रूप से नहीं रख पाए। हमेशा से ऐसा लगता रहा कि ईरान से अमेरिका नहीं ट्रंप, और इजरायल नहीं नेतन्याहू लड़ रहे हैं। व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के बोझ तले दबे इस युद्ध का भले ही अंत हो जाए, लेकिन युद्ध का निष्कर्ष यही सामने आना था, तो यह सवाल अनसुलझा रह जाएगा कि इस युद्ध को आखिर लड़ा क्यों गया था?

नजरिया

मानसून का बदलता मिजाज

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

भारत में मानसून केवल एक मौसमी घटना नहीं है, बल्कि यह देश की आत्मा, अर्थव्यवस्था और कृषि का मुख्य आधार है। वर्ष 2026 में भी करोड़ों देशवासी इस जीवनदायिनी वर्षा की बड़ी उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, इस वर्ष मानसून ने अपने निर्धारित समय पर दस्तक दी थी, जिससे आरंभ में कृषकों और नीति निर्माताओं में भारी उत्साह देखा गया था। मई के अंतिम सप्ताह में केरल के तट पर वर्षा की पहली बूंदों के साथ इस यात्रा का आरंभ हुआ था, लेकिन जून के मध्य में आकर इसकी गति अप्रत्याशित रूप से मन्द हो गई। इस मन्दता ने देश के कई हिस्सों में जल संकट और भीषण ग्रीष्म लहर जैसी स्थितियों को जन्म दिया, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। हालांकि, प्रकृति का यह चक्र सदैव परिवर्तनशील रहता है और जून के उत्तरार्ध में इसमें एक बार फिर व्यापक बदलाव देखने को मिल रहा है, जिसने नई आशाएं जगा दी हैं।

जून महीने के आंकड़ों का विश्लेषण करें तो यह स्पष्ट होता है कि इस वर्ष जून का महीना सामान्य की तुलना में काफी सूखा रहा है। 15 जून से 23 जून के बीच मानसून की प्रगति लगभग थम सी गई थी, जिसके कारण संपूर्ण देश में सामान्य से लगभग 40 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई। यह कमी विशेष रूप से मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत में अधिक महसूस की गई, जहां तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया था। इस अवधि में जलाशयों के जल स्तर में तेजी से गिरावट आई और धान की नर्सरी तैयार करने वाले किसानों की चिंताएं बढ़ गईं। कृषि क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना था कि यदि मानसून की यह सुस्ती जुलाई के प्रथम सप्ताह तक खिंच जाती, तो इससे खरीफ की फसलों के उत्पादन पर गहरा प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता था, लेकिन समय रहते मौसम के मिजाज में सुधार हो गया।

मौसम वैज्ञानिकों ने जून के महीने में आई इस सुस्ती के पीछे कई जटिल वैश्विक और स्थानीय वायुमंडलीय कारकों को उत्तरदायी माना है। सबसे प्रमुख कारण हिंद महासागर के ऊपर मैडेन जूलियन ऑसिलेशन का कमजोर होना था, जो बादलों और चक्रवातों के निर्माण की एक वैश्विक प्रणाली है। इसके अतिरिक्त, अफ्रीका के पूर्वी तट से भारत की ओर नमी से भरी हवाएं लाने वाली सोमाली जेट स्ट्रीम की गति भी इस बार काफी धीमी पाई गई। एक अन्य महत्वपूर्ण भौगोलिक कारक पश्चिम एशिया से आने वाली गर्म और शुष्क हवाएं थीं, जिन्होंने भारतीय उपमहाद्वीप के मध्य भाग पर एक उच्च दबाव का क्षेत्र निर्मित कर दिया था। इस उच्च दबाव के कारण समुद्र से आने वाली नम हवाएं बादलों का रूप नहीं ले पा रही थीं और जो बादल बन भी रहे थे, वे वाष्पीकृत होकर बिखर जा रहे थे।

कृषि प्रधान भारत के लिए मानसून का यह पुनरुद्धार किसी वरदान से कम नहीं है। जून की कमी को देखते हुए, जुलाई के महीने में होने वाली वर्षा पर संपूर्ण देश की नजरें टिकी हुई हैं। कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि जुलाई के प्रथम सप्ताह में होने वाली यह व्यापक वर्षा देश में खरीफ फसलों, मुख्य रूप से धान, मक्का, बाजरा, दलहन और तिलहन की बुआई के लिए अत्यंत उपयुक्त समय पर आ रही है। यदि जुलाई के पूरे महीने में वर्षा का वितरण समान और संतुलित रहता है, तो जून में हुई 40 प्रतिशत की कमी का कृषि उत्पादन पर कोई दीर्घकालिक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

इन तमाम विपरीत परिस्थितियों के बीच, 23 जून 2026 के बाद वायुमंडलीय दशाओं में एक तीव्र और सकारात्मक परिवर्तन देखा गया। हिंद महासागर में हवाओं के दबाव में कमी आई और सोमाली जेट ने पुन: अपनी स्वाभाविक गति प्राप्त कर ली। इसके परिणामस्वरूप, दक्षिण-पश्चिम मानसून ने एक बार फिर से अत्यंत तीव्र रफ्तार पकड़ ली है और यह देश के उन हिस्सों की ओर तेजी से बढ़ रहा है जो अब तक सूखे की मार झेल रहे थे। वर्तमान में मानसून की उत्तरी सीमा गुजरात के सूरत, मध्य प्रदेश के इंदौर और मंडला, झारखंड के डाल्टनगंज और बिहार के मोतिहारी शहर से होकर गुजर रही है। मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि अगले 2 से 3 दिनों के भीतर परिस्थितियां पूरी तरह से अनुकूल हो जाएंगी, जिससे मानसून गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के शेष बचे हुए भू-भागों को पूरी तरह से आच्छादित कर लेगा।

देश की राजधानी दिल्ली और उसके आस-पास के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, हरियाणा, पंजाब तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में रहने वाले नागरिकों के लिए मौसम विभाग ने राहत भरा पूर्वानुमान जारी किया है। 29 जून 2026 से लेकर 2 जुलाई 2026 के बीच इन क्षेत्रों में मानसून के आगमन की पूरी संभावना बन चुकी है। मौसम कार्यालय ने इन क्षेत्रों के लिए विशेष सतर्कता संदेश जारी किया है, जिसके अनुसार इन दिनों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने और मध्यम से भारी वर्षा होने की प्रबल आशंका है। इस संभावित वर्षा से पिछले कई हफ्तों से जारी असहनीय उमस और अत्यधिक तापमान से स्थानीय निवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। राजधानी और उसके समीपवर्ती नगरों में स्थानीय प्रशासन ने भारी वर्षा की स्थिति में जलभराव से निपटने के लिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है।

यदि हम पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत की स्थिति पर दृष्टि डालें, तो वहां की परिस्थितियां देश के अन्य भागों से सर्वथा भिन्न और गंभीर हैं। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम जैसे राज्यों में मानसून की सक्रियता अत्यंत तीव्र बनी हुई है। मौसम विज्ञान विभाग ने इन पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों के लिए अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है। आंकड़ों के अनुसार, अगले 3 से 4 दिनों में इन राज्यों के कुछ स्थानों पर 7 से 20 सेंटीमीटर तक अत्यंत भारी वर्षा होने का अनुमान व्यक्त किया गया है। इतनी अधिक मात्रा में होने वाली वर्षा के कारण ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों के जल स्तर में तीव्र वृद्धि होने की आशंका है, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा उत्पन्न हो सकता है। स्थानीय आपदा प्रबंधन बलों को पूरी तरह से मुस्तैद रहने का निर्देश दिया गया है। भारत के पश्चिमी तट और मध्यवर्ती राज्यों में भी मानसून की सक्रियता में उल्लेखनीय सुधार देखा जा रहा है। महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्रों, विशेषकर कोंकण और गोवा, तथा कर्नाटक के तटीय जिलों में पिछले 48 घंटों से निरंतर वर्षा हो रही है। मध्य भारत के छत्तीसगढ़ और विदर्भ क्षेत्रों में भी व्यापक रूप से झमाझम वर्षा का दौर आरंभ हो चुका है, जिसने वहां की तप्त धरती को शीतलता प्रदान की है। बिहार और झारखंड में भी मेघगर्जन और बिजली चमकने के साथ तेज वर्षा की गतिविधियां दर्ज की जा रही हैं, जहां हवा की गति 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा आंकी गई है। यह वर्षा न केवल कृषि कार्यों के लिए संजीवनी का काम कर रही है, बल्कि इससे शहरी क्षेत्रों में पेयजल की आपूर्ति में भी सुधार होने की पूरी उम्मीद है।

कृषि प्रधान भारत के लिए मानसून का यह पुनरुद्धार किसी वरदान से कम नहीं है। जून की कमी को देखते हुए, जुलाई के महीने में होने वाली वर्षा पर संपूर्ण देश की नजरें टिकी हुई हैं। कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि जुलाई के प्रथम सप्ताह में होने वाली यह व्यापक वर्षा देश में खरीफ फसलों, मुख्य रूप से धान, मक्का, बाजरा, दलहन और तिलहन की बुआई के लिए अत्यंत उपयुक्त समय पर आ रही है। यदि जुलाई के पूरे महीने में वर्षा का वितरण समान और संतुलित रहता है, तो जून में हुई 40 प्रतिशत की कमी का कृषि उत्पादन पर कोई दीर्घकालिक प्रभाव नहीं पड़ेगा। देश के प्रमुख जलाशयों में पानी की आवक बढ़ने से आगामी महीनों में पनबिजली उत्पादन और सिंचाई व्यवस्था भी सुचारू रूप से संचालित हो सकेगी, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करेगी।

निष्कर्षत:, वर्ष 2026 का मानसून भारतीय उपमहाद्वीप में अपनी अनिश्चित प्रकृति का एक और उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। शुरुआती दौर की सुस्ती और उसके बाद आई इस तीव्र तेजी ने यह सिद्ध कर दिया है कि आधुनिक विज्ञान और उन्नत पूर्वानुमान प्रणालियों के बावजूद प्रकृति के इस विशाल चक्र को पूरी तरह समझना आज भी एक बड़ी चुनौती है। फिर भी, वर्तमान वायुमंडलीय संकेत अत्यंत उत्साहजनक हैं और यह विश्वास दिलाते हैं कि आने वाले दिन पूरे देश के लिए समृद्धि और खुशहाली लेकर आएंगे। देश के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले लोग, चाहे वे खेतों में काम करने वाले किसान हों या महानगरों में रहने वाले कामकाजी नागरिक, सभी इस समय बादलों की गड़गड़ाहट और वर्षा की फुहारों का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चन्नपटना को ट्रैफिक जाम से मुक्ति : येलेकेरी गेट पर 22.40 करोड़ रुपए का 'रोड ओवर ब्रिज' जनता को समर्पित

चन्नपटना/दक्षिण भारत। केंद्रीय रेलवे और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना और कर्नाटक के बड़े व मध्यम उद्योग और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट मंत्री एमबी पाटिल ने सोमवार को चन्नपटना के येलेकेरी गेट पर नवनिर्मित रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) का उद्घाटन कर इसे जनता को समर्पित किया। इस नवनिर्मित ब्रिज के शुरू होने से अब सालों पुराना लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 47 हमेशा के लिए खत्म हो गया है, जिससे क्षेत्र में ट्रैफिक जाम की समस्या से बड़ी राहत मिलेगी। इस गरिमामयी समारोह में बेंगलूरु ग्रामीण के सांसद डॉ. सीएन मंजूनाथ और चन्नपटना के विधायक सीपी योगीश्वर सहित रेलवे के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। उद्घाटन के मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना ने कहा कि यह नया आरओबी न केवल लोगों का समय बचाएगा और ट्रैफिक जाम को कम करेगा, बल्कि सड़क इस्तेमाल करने वालों और ट्रेनों के सुरक्षित संचालन दोनों के लिए बेहद मददगार साबित होगा। उन्होंने भारतीय रेलवे को देश का 'ग्रोथ इंजन' बताते हुए कहा कि मैसूर-बेंगलूरु रेलवे लाइन को चार गुना करना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही उन्होंने यलहंका में प्रस्तावित नए मेगा कोचिंग टर्मिनल और ट्रेनों की स्पीड बढ़ाने जैसे प्रोजेक्ट्स का भी जिक्र किया, जो आने वाले समय में यात्रियों के सफर को बेहद आसान बना देंगे।

कर्नाटक के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट मंत्री एमबी पाटिल ने बताया कि राज्य और केंद्र सरकार 50:50 की लागत-साझेदारी (कास्ट शेयरिंग) के आधार पर राज्य में 9 महत्वपूर्ण रेलवे प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। इन प्रोजेक्ट्स के लिए जमीन अधिग्रहण का काम तेजी से चल रहा है और अधिकांश जमीन अधिग्रहित की जा चुकी है। मंत्री एम.बी. पाटिल ने रेलवे से जुड़े राज्य के प्रस्तावों पर तुरंत एक्शन लेने के लिए वी. सोमन्ना का आभार जताया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से बेंगलूरु और पुणे के बीच एक हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट शुरू करने का भी विशेष आग्रह किया। यह नया ओवर ब्रिज चन्नपटना की तरफ स्थित जेसी रोड को येलेकेरी की तरफ अंजनेया मंदिर रोड से सीधे जोड़ता है। इस पूरे प्रोजेक्ट को लगभग □22.40 करोड़ की लागत से तैयार किया गया है। लेवल क्रॉसिंग गेट बंद होने के कारण अब गाड़ियों को घंटों रुकना नहीं पड़ेगा, जिससे रेल और सड़क यातायात दोनों सुरक्षित और बाधारहित हो गए हैं।

सांसद डॉ. सीएन मंजूनाथ ने भी क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए रेलवे मंत्रालय की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से चन्नपटना और केएसआर बेंगलूरु के बीच शुरू की गई मेमू ट्रेन सर्विस और इस आरओबी निर्माण के लिए केंद्रीय मंत्री का धन्यवाद किया। उद्घाटन समारोह से पहले केंद्रीय राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने लेवल क्रॉसिंग नंबर 16 की जगह रामोहल्ली गेट पर बन रहे 'रोड अंडर ब्रिज' (आरयूबी)के निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद चीफ एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर (कंस्ट्रक्शन) अभय कुमार गुप्ता और एडिशनल डिविजनल रेलवे मैनेजर प्रवीण कटारकी को काम में तेजी लाने और इसे जल्द से जल्द पूरा करने के सख्त निर्देश दिए।

कतर में 'फ्रीज' की गई छह अरब डॉलर की संपत्ति से रोक हटेगी : ईरान के राष्ट्रपति

दुबई/एपी

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने सोमवार को कहा कि ईरान की छह अरब डॉलर की 'फ्रीज' की गयी संपत्ति को वापस करने पर लगी रोक कतर हटाएगा।

पेजेश्कियान का यह बयान ऐसे समय आया है जब इस सप्ताहांत फारस की खाड़ी में हुए हमलों के कारण अमेरिका के साथ बातचीत में चुनौतियां पैदा हो गई हैं। किसी संपत्ति को 'फ्रीज' करने का अर्थ है कि उसका स्वामित्व रखने वाला व्यक्ति भी रोक के तहत इस संपत्ति का उपयोग नहीं कर सकता।

मसूद पेजेश्कियान का उन संसाधन का जिक्र करना, ईरानी जनता को अंतरिम समझौते के लिए मनाने की कोशिश जैसा लगता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान की पकड़ को चुनौती दी जा रही है; ओमान के समुद्री इलाके को फारस की खाड़ी से आने-जाने वाले यातायात के लिए खोलने की कोशिशें हो रही हैं। पाकिस्तान के साथ बातचीत में अहम मध्यस्थ कतर के पास रोकी गई धनराशि से पाबंदी हटाने का जिक्र करने वाले ईरान के सबसे वरिष्ठ अधिकारी पेजेश्कियान हैं। अब तक, अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि ईरान की 'फ्रीज' की गयी किसी भी संपत्ति से रोक हटाई नहीं गयी है।

ईरान के हमलों और धमकियों की वजह से इस जलडमरूमध्य से मालवाहक जहाजों और टैंकरों की आवाजाही रुक गई। सामान्य समय में दुनिया भर में व्यापार होने वाले तेल और प्राकृतिक गैस का लगभग पांचवां हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता था, जिससे वैश्विक ऊर्जा संकट पैदा हो गया।

भले ही यह जलडमरूमध्य ईरान और ओमान के समुद्री क्षेत्र में स्थित है, फिर भी इसे लंबे समय से एक अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग माना जाता रहा है। हाल के दिनों में, ईरान ने ओमान की तरफ वाले रास्ते से गुज़रने वाले जहाजों पर दो बार हमले किए हैं। इसके जवाब में अमेरिका ने हवाई हमले किए हैं और ऐसी चिंताएं भी पैदा हो गई हैं कि युद्ध को औपचारिक रूप से खत्म करने के लिए चल रही बातचीत में रुकावट आ सकती है।

सोमवार को मुंबई (महाराष्ट्र) के एक पैडल कोर्ट में अपने पति व अभिनेता जहीर इकबाल रतनसी के साथ फुर्सत के पल बिताती बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा।

पूजा

महाराष्ट्र के नागपुर जिले में सोमवार को वट पूर्णिमा के अवसर पर पवित्र वट (बरगद) वृक्ष की पूजा-अर्चना कर चारों ओर रक्षासूत्र (सूत) बांधतीं सुहागिन महिलाएं।

पन्ना में आदिवासी किसान परिवार को खदान से मिला 11.19 कैरेट का हीरा

पन्ना/भाषा। मध्यप्रदेश के पन्ना जिले में एक आदिवासी किसान परिवार को एक खदान से सोमवार को 11.19 कैरेट का एक हीरा मिला। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि हीरे की अनुमानित कीमत करीब 30 लाख रुपए आंकी गई है। उन्होंने बताया कि इसी परिवार को वर्ष 2024 में 19.22 कैरेट का एक बड़ा हीरा मिला था, जो शासकीय नीलामी में 93 लाख रुपए में बिका था। हीरा कार्यालय के अधिकारियों के अनुसार, मजदूर राकेश गौड़ ने इसी वर्ष अप्रैल में अहिरगवां क्षेत्र में पट्टा लेकर अपने तीन भाइयों और कुछ रिश्तेदारों के साथ मिलकर खदान में खुदाई शुरू की थी। अधिकारियों ने बताया कि करीब दो महीने की मेहनत के बाद सोमवार को परिवार को चमचमाता हीरा मिला, जिसे उन्होंने तत्काल सरकारी हीरा कार्यालय में जमा करा दिया। पन्ना के हीरा निरीक्षक नूतन जैन ने बताया कि परिवार द्वारा जमा कराया गया यह 11.19 कैरेट का हीरा, जेम्स क्वालिटी का है और इसकी अनुमानित कीमत करीब 30 लाख रुपए है। उन्होंने बताया कि नियमानुसार इस हीरे को आगामी शासकीय नीलामी में बिक्री के लिए रखा जाएगा और नीलामी से प्राप्त राशि में से रॉयल्टी काटने के बाद शेष रकम संबंधित परिवार के बैंक खाते में जमा कर दी जाएगी। हीरा मिलने से उत्साहित परिवार के सदस्य राजू आदिवासी ने कहा कि उनका परिवार लंबे समय से खदानों में खुदाई कर रहा है।

कीर्तन

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के मकरमपुर स्थित गौड़ीय मठ में सोमवार को महा स्नान पूर्णिमा उत्सव के दौरान भजन-कीर्तन करते श्रद्धालु।

वेलकम टू जंगल से दिल जीतने के बाद, अब दिशा पाटनी का सबसे 'दिलकश' अंदाज़ आवारापन 2 में!

मुंबई/एजेन्सी

वेलकम टू जंगल में धमाल मचाने के बाद, दिशा पाटनी अब एकदम नए रंग में नजर आने वाली हैं। आवारापन 2 का टीज़र आज रिलीज हुआ और बस एक झलक में ही लोगों की नज़रें थम गईं! लाल रंग की खूबसूरत ड्रेस में, सेलो बजाते हुए दिशा का ये अंदाज़ क्या कहें पूरी तरह से सॉफ्ट, एलिगेंट और दिल को छू जाने वाला। इस बार न कोई हाई-ऑक्टेन एक्शन, न कोई तेज़-तर्रार एंट्री बल्कि एक ऐसा किरदार जो शांत है, गहरा है और इमोशन्स से भरा हुआ है। टीज़र देखकर साफ लग रहा है कि आवारापन 2 सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक इमोशनल लव स्टोरी होने वाली है और दिशा इस कहानी के दिल में बसी हुई हैं।

दिलचस्प बात ये है कि मेकर्स ने जानबूझकर दिशा के किरदार को पूरी तरह सीक्रेट रखा है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया, दिशा का किरदार इस कहानी की इमोशनल जान है। अगर अभी ज्यादा दिखा दिया, तो कहानी के बड़े राज खुल जाएंगे। टीज़र सिर्फ उनके वजूद और उनकी दुनिया की झलक देने के लिए है। जैसे-जैसे फिल्म आगे बढ़ेगी, दर्शकों को समझ आएगा कि उनका रोल कितना खास है।दिशा पाटनी और इमरान हाशमी की जोड़ी ने पहले ही फैंस में जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा कर दी है। ऊपर से आवारापन की अपनी एक कल्ट फैन फॉलोइंग है तो अब उम्मीदें और भी हाई हैं। सोशल मीडिया पर दिशा के इस नए लुक को लेकर खूब तारीफ हो रही है, कई लोग इसे उनका अब तक का सबसे दिलचस्प अवतार बता रहे हैं।

इंडस्ट्री के असली माचो मैन हैं संजय दत्त : उर्मिला मातोंडकर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर ने डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' में अभिनेता संजय दत्त को लेकर कई राज खोले। दरअसल, वह शो में स्पेशल गेस्ट के तौर पर शामिल हुई थी। इस दौरान जब संजय दत्त का जिक्र हुआ तो उन्होंने अभिनेता के डांस को लेकर यादें साझा कीं। शो में होस्ट हर्ष लिम्बाचिया ने उर्मिला मातोंडकर से संजय दत्त के साथ काम करने के बारे में पूछा, तो उन्होंने पर्दे के पीछे का एक किस्सा शेयर किया। उन्होंने कहा, ''संजू (संजय दत्त) की एक बात मैं आपको बताती हूं। मैंने उनके साथ दो-तीन फिल्में की हैं। जिन भी एक्ट्रेसेस ने उनके साथ काम किया है, वे सभी यह बात बताएंगी। जब भी किसी फिल्म में डांस का गाना आता है, तो वह बहुत खराब मूड में रहते हैं और कहते हैं, 'यार मुझे यह नहीं करना है, वह नहीं करना है।' लेकिन फिर वह चुपचाप

जाकर रिहर्सल करते हैं और जब फाइनल शूट में डांस करते हैं, तो देखकर लगता है कि आखिर उन्होंने पहले इतना मना क्यों किया था। यह उनका अंदाज है। वह कभी-कभी थोड़े चिड़चिड़े हो जाते हैं, क्योंकि वह इंडस्ट्री के असली माचो मैन हैं, लेकिन उनके साथ काम करना उतना ही आसान और अच्छा भी होता है।उन्होंने बताया, सबसे दिलचस्प बात यह है कि संजय फिर चुपचाप जाकर रिहर्सल करते हैं और जब फाइनल शूट में डांस करते हैं, तो देखकर लगता है कि आखिर उन्होंने पहले इतना मना क्यों किया था।

यह उनका अंदाज है। वह कभी-कभी थोड़े चिड़चिड़े हो जाते हैं, क्योंकि वह इंडस्ट्री के असली माचो मैन हैं लेकिन उनके साथ काम करना उतना ही आसान और अच्छा भी है।उर्मिला मातोंडकर और संजय दत्त ने एक साथ कई फिल्मों में काम किया है, जिनमें 'दौड़', 'खूबसूरत' और 'जंग' जैसी फिल्में शामिल हैं। इन फिल्मों में दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। खासकर उनके गाने आज भी लोगों की यादों में ताजा हैं, जैसे 'ओ भंवरे', 'आना जरा पास तो आ' और 'आईला रे' अपने दौर के हिट गानों में गिने जाते हैं।

प्रचार

राजस्थान के जयपुर में सोमवार को अपनी आगामी फिल्म अल्फा के प्रचार कार्यक्रम (प्रमोशनल इवेंट) के दौरान स्टाइलिश अंदाज में पोज देतीं बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट और शरवरी।

साई पल्लवी और रणबीर कपूर 'रामायण' में अपने किरदारों के साथ पूरा न्याय करेंगे : दीपिका चिखलिया

मुंबई/एजेन्सी

रामानंद सागर की प्रसिद्ध शो 'रामायण' में माता सीता की भूमिका निभाकर घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री दीपिका चिखलिया अपनी आने वाली फिल्म 'तेरा मेरा नाता' को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने निर्देशक नीतेश तिवारी की आने वाली फिल्म 'रामायण' को लेकर अपनी राय दी, जिसमें रणबीर कपूर भगवान राम और साई पल्लवी माता सीता की भूमिका में दिखाई देंगे। दीपिका ने दोनों कलाकारों पर भरोसा जताते हुए कहा कि वे इस धार्मिक कहानी को अच्छे तरीके से पर्दे पर पेश करेंगे। आईएएनएस से बात करते हुए दीपिका चिखलिया ने कहा, मैंने साई पल्लवी और रणबीर कपूर दोनों के काम को देखा है और वे दोनों बहुत ही अच्छे कलाकार हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि वे दोनों अपने-अपने किरदारों के साथ न्याय करेंगे। रामायण को पर्दे पर दिखाना आसान नहीं होता, लेकिन अगर सही कलाकार हो, तो इसे बहुत खूबसूरती के साथ पेश किया जा सकता है। मुझे लगता है कि दोनों कलाकार इस जिम्मेदारी को

समझते हैं और अपने प्रदर्शन से दर्शकों को प्रभावित करेंगे।

साई पल्लवी और रणबीर कपूर को लेकर दीपिका चिखलिया ने कहा, ''साई पल्लवी के अभिनय में सादगी और गहराई दोनों हैं। वहीं रणबीर कपूर का अभिनय काफी प्रतिभाशाली है। वह हर भूमिका में खुद को ढाल लेते हैं। जब इतने मजबूत कलाकार किसी पौराणिक कहानी का हिस्सा बनते हैं, तो दर्शकों को एक अच्छा अनुभव मिलता है।'' रामायण की विरासत पर बात करते हुए दीपिका चिखलिया ने कहा, ''यह मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है कि मुझे इस तरह के धार्मिक किरदार को निभाने का मौका मिला। जब मैंने माता सीता का किरदार निभाया था, तब मुझे अंदाजा नहीं था कि यह भूमिका मेरे जीवन का इतना बड़ा हिस्सा बन जाएगी। लोगों ने मुझे जो प्यार और सम्मान दिया है, वह मेरे लिए बेहद खास है।''

दीपिका ने कहा, ''आज भी कई लोग मुझे माता सीता के रूप में ही देखते हैं। कई बार लोग मेरे सामने झुककर मेरे पैर छू लेते हैं। शुरुआत में मुझे यह समझ नहीं आता था कि लोग ऐसा क्यों करते हैं, लेकिन धीरे-धीरे समझ आने लगा कि लोग यह सम्मान मुझे नहीं, बल्कि माता सीता के किरदार के प्रति अपनी श्रद्धा के कारण देते हैं।''

अपनी आने वाली फिल्म 'तेरा मेरा नाता' के बारे में बात करते हुए दीपिका चिखलिया ने कहा, यह फिल्म पूरी मेहनत और दिल से बनाई गई है। इसमें हर कलाकार और तकनीकी टीम ने अपना बेस्ट देने की कोशिश की है। मैं चाहती हूं कि दर्शक इस फिल्म को अपने परिवार के साथ देखें और इसे प्यार दें।

'शोहरत के बीच भी अकेलापन', शुभांगी अत्रे ने सोशल मीडिया और रिश्तों पर रखे विचार

मुंबई/एजेन्सी

टीवी इंडस्ट्री में लंबे समय से काम कर रहीं शुभांगी अत्रे ने आईएएनएस संग बातचीत में अकेलेपन और रिश्तों की सच्चाई को लेकर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह अकेलापन सिर्फ भीड़ या लोगों की कमी से नहीं होता, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव और बातचीत की कमी से होता है। आईएएनएस से बात करते हुए शुभांगी अत्रे ने कहा, ''मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं, क्योंकि मेरी जिंदगी में कुछ ऐसे लोग हैं, जो सच में मुझसे पूछते हैं, 'आप कैसी हैं?' और जवाब का इंतजार भी करते हैं। किसी इंसान के लिए सबसे बड़ा सुकून यही होता है कि कोई उसे बिना टोके, बिना जज किए ध्यान से सुने। कई बार सलाह से ज्यादा राहत सिर्फ सुन लिए जाने से मिलती है।'' उन्होंने आगे कहा, अकेलापन अक्सर इस वजह से महसूस होता है क्योंकि लोगों के बीच बातचीत तो होती है, लेकिन वह गहराई नहीं होती, जो दिल को छू सके। आजकल लोग एक-दूसरे से जुड़े तो रहते हैं, लेकिन बातचीत अक्सर सतही रह जाती है। ऐसे में इंसान भीड़ में रहते हुए भी खुद को अकेला महसूस कर सकता है। मेरा मानना है कि एक खुली बातचीत, जिसमें व्यक्ति अपने असली विचार

और भावनाएं बिना डर के रख सके, वह कई रिश्तों से ज्यादा कीमती होती है।'' सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर बात करते हुए उन्होंने कहा, ''आज के समय में लोग एक-दूसरे की जिंदगी से तो वाकिफ रहते हैं, लेकिन उनकी भावनाओं से नहीं। हम यह तो देख लेते हैं कि सामने वाला क्या कर रहा है, कहां घूम रहा है या क्या पोस्ट कर रहा है, लेकिन यह नहीं जान पाते कि वह अंदर से क्या महसूस कर रहा है। सोशल मीडिया ने लोगों को ज्यादा विजिबल बना दिया है, लेकिन महसूस करने और समझने वाली गहराई कम हो गई है। असली बातचीत अभी भी स्क्रीन से दूर ही होती है।'' रिश्तों को लेकर उन्होंने कहा, ''आज के समय में सच्चे और भरोसेमंद रिश्ते बनाना आसान नहीं है। भरोसा, समझ और अपनापन धीरे-धीरे बनता है और इसके लिए समय और धैर्य दोनों की जरूरत होती है। जीवन में वही लोग सबसे अहम होते हैं जो अच्छे और बुरे दोनों समय में साथ खड़े रहते हैं। ऐसे रिश्ते ही इंसान को मानसिक रूप से मजबूत बनाते हैं और अकेलेपन को दूर करते हैं।''

उन्होंने निजी जिंदगी के बारे में बात करते हुए कहा, ''मेरी बेटी आशी मेरे जीवन का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है। वह 19 साल की हैं और काफी समझदार हैं। वह हमेशा मेरा हालचाल लेती रहती हैं और मेरा ख्याल रखती हैं। मेरे कुछ करीबी लोग भी हैं जिनके कारण मुझे अकेलापन महसूस नहीं होता।''

शंखेश्वर तीर्थ में निर्माणाधीन पार्श्व भैरव सुशील धाम के ट्रस्ट की बैठक आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.co

बेंगलूरु। त्रैलोक्य पूजित शंखेश्वर तीर्थ में निर्माणाधीन पार्श्व भैरव सुशील धाम के ट्रस्ट की परिचय सभा रविवार को गोड़वाड़ भवन ट्रस्ट के राणावत अतिथि भवन में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ धाम के प्रेरणादाता-मार्गदर्शक आचार्य जिनोत्तमसूरीश्वरजी के वर्चुअल मांगलिक से हुआ। ट्रस्ट का परिचय एवं विस्तृत रूपरेखा सचिव जुगराज पुनमिया ने पेश की। बैठक में धाम में निर्माणाधीन विश्व के प्रथम शंखाकार जिनालय एवं आधुनिक सुविधाओं से सज्जित धर्मशाला परियोजना का प्रस्तुतिकरण ऑडियो-वीडियो प्रजेंटेशन के माध्यम से हुआ। योजना के संयोजक एवं ट्रस्ट के उपाध्यक्ष प्रवीणकुमार लुणिया ने सभागार में उपस्थितजनों से तन-मन-धन से जुडने की अपील की। ङ्गट्रस्ट के अध्यक्ष किरणकुमार दांतेवाडिया ने सभी का स्वागत करते हुए योजना की आध्यात्मिकता एवं सामाजिक महत्ता पर प्रकाश डाला। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष धीरजमल बंबोली ने वित्तीय पारदर्शिता एवं सेवा-सहयोग की जानकारी देते हुए योजना को विस्तृत रुप से प्रस्तुत किया।

सभा को उपस्थित प्रकाशचंद सिंघवी, पारस भंडारी, गौतमचंद मूथा, कुमारपाल सिसोदिया, निर्मलकुमार ढेलरिया वोरा आदि ने संबोधित किया। सभा में प्रवीणकुमार सोनीगरा, बाबूभाई मेहता, राजेन्द्रकुमार दांतेवाड़िया, सुरेशकुमार जैन, बाबूलाल राठौड, जगदीश सोलंकी, सोहनराज वेदमूथा सहित बडी संख्या में गुरुभक्त मौजूद थे। आभार हीराचंद गुलेच्छा ने किया । कार्यक्रम का संचालन महीपाल सुराणा ने किया।

अभिषेक सिंह के कविता संग्रह 'मेरे हिस्से की खुशी' का हुआ विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.co

बेंगलूरु। समकालीन हिंदी कविता के कवि अभिषेक सिंह 'कुटज' के कविता संग्रह 'मेरे हिस्से की खुशी' का विमोचन शनिवार को सर सीवी रामन के आवास प्रांगण 'पंचवटी' में हुआ। गुरुकुल पब्लिशिंग द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पत्रकार वसंती हरिप्रकाश उपस्थित थीं। पुस्तक का विमोचन करते हुए उन्होंने कहा, अभिषेक सिंह 'कुटज' की कविताएं समाज के उस सच को सामने लाती हैं, जिसे हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं। 'मेरे हिस्से की खुशी' हर संवेदनशील इंसान को झकझोरने और सोचने पर मजबूर करने वाली कृतियों का संग्रह है। ङ्गइस अवसर पर कवि 'कुटज' ने अपनी कुछ चुनिंदा कविताओं का पाठ भी किया। कवि ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह संग्रह मेरे जीवन के अनुभवों और सामाजिक सरोकारों का निचोड़ है।

साड़ी वॉकेथॉन व योग सत्र से महिलाओं ने दिया स्वास्थ्य और संस्कृति का संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) नार्थ लेडीज विंग द्वारा रविवार को बेंगलूरु विश्वविद्यालय परिसर में महिलाओं के लिए विशेष 'साड़ी वॉकेथॉन-पेस एंड पोज़' तथा योग सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय संस्कृति की पहचान साड़ी को स्वास्थ्य एवं फिटनेस से जोड़ते हुए महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मैराथन, ट्रायथलॉन कोच तथा फीटबेस की कोच किरण बेटागेरी तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रेक्षा ध्यान व योग प्रशिक्षक रेणु कोठारी उपस्थित थीं। किरण बेटागेरी ने नियमित व्यायाम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मीठे खाद्य पदार्थों एवं डालडा से बने खाद्य पदार्थों से बचने की सलाह दी तथा सभी प्रतिभागियों को प्रतिदिन कम से कम 20 मिनट व्यायाम करने का संकल्प दिलाया। रेणु कोठारी ने फेश योग के माध्यम से चेहरे की प्राकृतिक टोनिंग, रक्त संचार में वृद्धि, त्वचा की प्राकृतिक चमक तथा तनाव से मुक्ति के लाभों की जानकारी दी।

साथ ही उन्होंने थायरॉइड, पीसीओडी, पीसीओएस एवं पाइल्स जैसी समस्याओं से बचाव हेतु उपयोगी योगासन एवं व्यायाम का अभ्यास भी कराया। इस अवसर पर आत्मनिर्भर हाउसहोल्ड बिजनेस मॉडल की अपेक्स संयोजिका बिंदु रायसोनी ने इस अभिनव पहल की सराहना की। अखिलेश बांठिया एवं उनकी टीम के नेतृत्व में लगभग तीन किलोमीटर की जंगल वॉक आयोजित की गई। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण के प्रतीक स्वरूप पौधों में जल अर्पित किया गया।

मायुमं बेंगलूरु ने कोलार में 600 स्कूली बच्चों को वितरित किए स्कूल बैग

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मारवाड़ी युवा मंच(मायुमं) बेंगलूरु के सदस्यों ने अपने सामाजिक दायित्व एवं शिक्षा के प्रति समर्पण को आगे बढ़ाते हुए 'शिक्षा सबके लिए' अभियान के अंतर्गत कोलार प्रेस क्लब में 600 स्कूली बच्चों को स्कूल बैग वितरित किए। मंच के अध्यक्ष जय प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा ही राष्ट्र निर्माण का सबसे सशक्त माध्यम है तथा प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध होना चाहिए। परियोजना के प्रमुख अंकित मोदी के निर्देशन में इस विशाल स्कूल बैग वितरण परियोजना का आयोजन संभव हो सका।

मंच के सचिव सीए विनोद गर्ग ने सभी को धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अन्नदान-महादान

बेंगलूरु के 'बीकानेरवाला' मिष्ठान भंडार परिवार ने सालासर बालाजी सेवा समिति के साथ मिलकर बिलेकेहल्ली रांका कॉलोनी में 500 लोगों के लिए अन्नदान सेवा आयोजित की।

राजाजीनगर में आयोजित हुआ 'महासभा पधारी हमारे द्वार' कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के पदाधिकारी 'महासभा आपके द्वार' संगठन यात्रा के अंतर्गत रविवार को तेरापंथ भवन राजाजीनगर पहुंचे। राजाजीनगर सभा के अध्यक्ष मदनलाल बोराणा ने सभी का स्वागत किया।

महासभा से राजाजीनगर सभा के क्षेत्रीय प्रभारी संजय बांठिया ने कहा कि राजाजीनगर सभा एक जागरूक एवं सक्रिय सभा है। उन्होंने आवश्यकतानुसार सभा के संचालन के लिए सभा संचालिका एवं श्रावक संदेशिका पुस्तक का उपयोग करने का निवेदन किया।

मलनाड़ क्षेत्र के आंचलिक प्रभारी महेंद्र दक ने महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने राजाजीनगर क्षेत्र के तेरापंथी परिवारों की सदस्यता सूची को शीघ्र महासभा में भेजने, महासभा के प्रारूप के अनुसार सभा का संविधान तैयार कर आवश्यक संशोधन करने तथा भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष के समापन अवसर पर बेंगलूरु में आयोजित होने वाले सामूहिक कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता करने के लिए प्रोत्साहित किया। संचालन करते हुए सभा के मंत्री चंद्रेश मांडोत ने सभा द्वारा संचालित आध्यात्मिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी दी। जिज्ञासा समाधान सत्र में पदाधिकारियों द्वारा रखे गए सुझावों एवं जिज्ञासाओं का महासभा टीम ने संतोषजनक समाधान प्रस्तुत किया। सतीश पोरवाड़ ने सभी को धन्यवाद दिया।

जीवन जीने की कला सिखाती है भागवत कथा : कथा वाचक राजनंदिनी

कलश व पोथी यात्रा से प्रारंभ हुई भागवत कथा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय राजपूताना सेवा संगठन के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा की शुरुआत सोमवार को मंगल कलश व पोथी यात्रा से हुआ। इस मौके पर कटमनल्लूर स्थित अभय स्वामी मंदिर से कथा वाचक अयोध्या धाम से आई देवी राजनंदिनीजी की निश्रा में कलश यात्रा में महिलाओं, पुरुषों, युवाओं एवं बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा में उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिला श्रद्धालुओं के हाथों में सजे हुए कलश, मुख पर भक्ति गीतों और जय श्रीराम तथा राधे-राधे के जयघोषों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया था। कलश यात्रा कथा स्थल से प्रारंभ होकर क्षेत्र के प्रमुख मार्गों से होते हुए वापस कथा स्थल पर पहुंची। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए आगे बढ़े और समाज में धर्म, संस्कृति एवं सनातन परंपराओं का संदेश दिया। विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया।ङ्गङ्गइसके उपरांत आयोजित कथा में कथा वाचक राजनंदिनीजी ने श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ करते हुए कहा कि भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मानव जीवन को सत्य, सेवा, प्रेम और भक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। कथा श्रवण ने जीवन में सुख, समृद्धि व खुशियों का संचार होता है । कथा श्रवण करने वाले के जीवन में सभी दुखों को नाश हो जाता है। भागवत कथा केवल भगवान की कथा नहीं अपितु जीवन जीने के कला है। आयोजकों ने 5 जुलाई तक चलने वाली इस कथा में शामिल होने का निवेदन किया है ।

मन के माने सुख है, मन के माने दु:ख : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मकथल (तेलंगाना)। तेलंगाना के मकथल स्थित वासवी मंदिर में जिज्ञासु साधकों को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने पदयात्रा में जैनाचार्य ने चित्तवृत्तियों के निरोध की साधना पर कहा कि मानसिक भूमिका पर दुर्विचार, दुश्चिंतन, दुर्भावनाओं को टालकर हम आध्यात्मिक साधना की योग्यता बना सकते हैं।

जिनका मन नियंत्रण में नहीं होता, वे कभी बड़ी सफलता प्राप्त नहीं कर सकते। मन का बार-बार भटकना सफलता के मार्ग पर सबसे बड़ी बाधा है। क्रोध, अहंकार, माया, लोभ, राग, द्वेष, ईर्ष्या आदि भीतरी शल्य मन में निरंतर उमड़ती और जीवन को प्रभावित करती विविध भाव-तरंगें हैं। इन्हीं की चपेट में आकर अमूल्य जीवन डूब जाता है। जो आत्माएं इनसे बचकर उभरती हैं, वे पार लग जाती हैं। साधु-संत लोगों को पार लगाने आते हैं। धर्म और शास्त्र इस संसार सागर में नाव का काम करते हैं, जबकि साधु-संत नाविक की भूमिका निभाते हैं। जो लोग सद्गुरु का हाथ पकड़ लेते हैं, वे कभी नहीं डूबते।आचार्य विमलसागर सूरीश्वरजी ने कहा कि जीवन में सुख हो या दु:ख, उनकी मात्रा और तीव्रता मन के मुताबिक ही निर्धारित होती है। यदि मन सुखद क्षणों को भी अस्वीकार कर देता है तो तत्काल वे ही पल दु:खद बन जाते हैं। दु:ख और सुख की मन की फिलोसोफी गजब की है। इसे समझकर ही हम सुख-शांति से जीने का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। जो मन के मुताबिक जीते हैं, वे कदम-कदम पर परेशान होते रहते हैं। उन्होंने कहा कि अपनी जीवननैया मन के भरोसे नहीं सौंपनी चाहिए। उचित-अनुचित, हित-अहित, पुण्य-पाप, सबका चिंतन करते हुए ही आगे बढ़ना चाहिए।

नई कार्यकारिणी का दायित्व बोध ग्रहण समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/। साध्वीश्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में तेरापंथ सभा व तेरापंथ युवक परिषद यशवंतपुर की नई कार्यकारिणी समिति का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन महासभा के उपाध्यक्ष प्रकाशचन्द्र लोढ़ा ने किया।

सभा के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश बरड़िया ने नए अध्यक्ष कुन्दनमल गन्ना को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। अध्यक्ष ने उपाध्यक्ष शांतिलाल भंसाली, नवरतनमल दक, बाबूलाल मांडोत, मंत्री विनोद बरडिया, सहमंत्री अनिल पितलिया, कमलेश दक, कोषाध्यक्ष निर्मल बाफना,संगठन मंत्री विनोद गन्ना के नाम की घोषणा करते हुए शपथ दिलवाई।

साध्वीश्री ने कहा कि नवगठित टीम संघ और संघपति के प्रति समर्पित होकर महासभा द्वारा निर्देशित दिशा निर्देशों के अनुसार सभा के करणीय कार्य करे एवं भावी पीढ़ी में संस्कारों के निर्माण के साथ ज्ञानशाला का विकास करे। साध्वी आत्मयशाजी,उन्नतयशाजी एवं रम्यप्रभाजी ने मंगल भावना व्यक्त की। अध्यक्ष कुन्दनमल गन्ना ने कहा कि गुरु इंगित आराधना करते हुए सम्पूर्ण समाज के सहयोग से जो भी महासभा निर्देशित सभा के करणीय कार्य है उसे प्राथमिकता दी जाएगी। ङ्गतेयुप के निवर्तमान अध्यक्ष धर्मेश डूंगरवाल ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुनील बोल्या को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। तत्पश्चात नवमनोनीत अध्यक्ष ने अपनी नई कार्यकारिणी समिति को शपथ दिलवाई।

इस मौके पर तेरापंथ सभा, महिला व तेयुप परिषद के अनेक सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सभा के निवर्तमान मंत्री अनिल दक ने किया। मंत्री विनोद बरड़िया ने धन्यवाद दिया।

बड़ी दीक्षा महोत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के विजयनगर स्थानक भवन में सोमवार को नवदीक्षित रविमुनिजी की बड़ी दीक्षा पूरे हर्षोल्लास से अभिजीतमुनिजी के सान्निध्य में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर नवदीक्षित मुनिश्री के सांसारिक माता-पिता चित्राबाई-किशोरीलाल छोरिया का संघ द्वारा सम्मान किया गया। दीक्षा महोत्सव में युवाओं ने अपनी सेवाएं दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

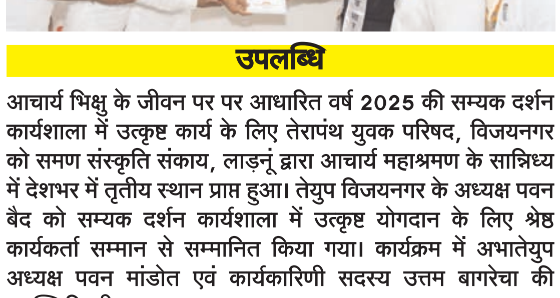

उपलब्धि

आचार्य भिक्षु के जीवन पर पर आधारित वर्ष 2025 की सम्यक दर्शन कार्यशाला में उत्कृष्ट कार्य के लिए तेरापंथ युवक परिषद, विजयनगर को समण संस्कृति संकाय, लाड़नूं द्वारा आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में देशभर में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। तेयुप विजयनगर के अध्यक्ष पवन बैद को सम्यक दर्शन कार्यशाला में उत्कृष्ट योगदान के लिए श्रेष्ठ कार्यकर्ता सम्मान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अभातेयुप अध्यक्ष पवन मांडोत एवं कार्यकारिणी सदस्य उत्तम बागरेचा की उपस्थिति थी।

जीण माता का तृतीय वार्षिकोत्सव 6 सितम्बर को, तैयारियां शुरू

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय जीण मां के दीवाने ग्रुप के तत्वावधान में 6 सितम्बर को विजयनगर होसाहल्ली मेट्रो स्टेशन के पास बसेश्वरा सुगनाना कल्याण मंडप में तृतीय वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस वार्षिकोत्सव को लेकर एक विशेष बैठक का आयोजन रविवार को किया गया जिसमें वार्षिकोत्सव के संबंध में अनेक कार्यों पर चर्चा हुई। बैठक में कोलकाता के कारीगरों द्वारा भव्य दरबार सजाने, अखंड ज्योत, चुनड़ी उत्सव, गजरा उत्सव आयोजित करने का निर्णय लिया गया। वार्षिक उत्सव में दोपहर में संगीतमय मंगलपाठ का वाचन चंडीगढ़ के आशीष जायसवाल करेंगे तथा शाम को कोलकाता के भजन गायक रितेश भरनवाल भजन की प्रस्तुति देंगे। रविवार को हॉस्पिटल रोड स्थित सिन्धी धर्मशाला में मासिक कीर्तन के दौरान बैठक का आयोजन किया गया। मनालाल भामा परिवार के सौजन्य से आयोजित इस कीर्तन में स्थानीय गायक हिमांशु मंत्री, अंकिता मंत्री, रामु सिसोदिया ने भजनों व संगीतमय मंगलपाठ की प्रस्तुति दी।

मदुरै में अज्ञात गिरोह ने जमानत पर बाहर आए व्यक्ति की हत्या की

मदुरै। मदुरै के विक्रमंगलम के पास अज्ञात हथियारबंद गिरोह ने कथित रूप से बदला लेने के उद्देश्य से हमला कर एक व्यक्ति की हत्या कर दी। पुलिस ने सोमवार को बताया कि वह व्यक्ति हाल ही में जमानत पर रिहा हुआ था। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान कलपुलिचनपट्टी गांव निवासी सिद्दीक के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि सिद्दीक और उसके भाई को वर्ष 2024 में मुथैया नामक व्यक्ति की हत्या के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**